● वर्ष-4
● अंक-61
रायपुर, शनिवार
19 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6»» अनार के छिलके का चमत्कार...

केंद्रीय राज्यमंत्री ने मांगी विकास परियोजनाओं के लिए मंजूरी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की सड़क अवसंरचना के विकास और सुधार को समर्थन देने के लिए केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और 2024-25 के केंद्रीय सड़क निधि के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत 13 महत्वपूर्ण सड़क विकास परियोजनाओं, जिनकी कुल लागत ?1,383 करोड़ है, के प्रस्तावों की मंजूरी का अनुरोध किया। इसके अलावा, श्री साहू ने छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित नए राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए मार्गों की घोषणा का अनुरोध किया।

सड़क परिवहन मंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के महत्व को समझते हुए, मंत्रालय के नए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्यक्रम के तहत साहू द्वारा प्रस्तावित मार्गों पर विचार करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाने का आश्वासन दिया।

साहू ने सड़क परिवहन मंत्री के प्रति छत्तीसगढ़ में सड़क विकास पहलों को आगे बढ़ाने में निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह समर्थन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए आवश्यक है और यह छत्तीसगढ़ की परिवर्तनकारी राह की नींव रखता है। साहू ने राज्य के विकास और प्रगति के लिए इन परियोजनाओं के महत्व पर जोर दिया और ऐसे और अधिक पहलों का स्वागत करने की तत्परता व्यक्त की, जो छत्तीसगढ़ के बुनियादी ढांचे और समग्र विकास को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करेंगी।

प्रस्तावित नए राष्ट्रीय राजमार्गों के मार्ग

1. रायगढ़-धरमजयगढ़-मैनपाट-अंबिकापुर-उत्तर प्रदेश सीमा
2. कवर्धा-राजनांदगांव-भानुप्रतापपुर-अंतागढ़-नारायणपुर-गीदम-दंतेवाड़ा-सुकमा
3. रतनपुर-लोरमी-मुंगेली-नंदघाट-भाटापारा-बलौदाबाजार
4. केंवची राष्ट्रीय राजमार्ग 45 - पेंड्रा रोड पासान - कटघोरा राष्ट्रीय राजमार्ग
5. मुंगेली-नवागढ़-बेमेतरा-धमधा-दुर्ग-झलमला (बालोद)
6. राजनांदगांव-मोहला-मानपुर सड़क
7. पंडरिया-बजाग-गदासरई सड़क
8. राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 53 को रायपुर रिंग रोड से जोड़ने वाली सड़क

हिंदुओं पर हमले को लेकर चुप हैं उपदेशक

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को भारत के पड़ोस में हिंदुओं पर हमलों का जिक्र किया। धनखड़ ने हिंदुओं पर हमले को लेकर तथाकथित नैतिक उपदेशकों की चुप्पी पर सवाल उठाया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे ऐसी चीज के भाड़े के सैनिक हैं जो पूरी तरह से मानवाधिकारों के विपरीत है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम बहुत सहिष्णु हैं और इस तरह के उल्लंघन के प्रति बहुत सहिष्णु होना उचित नहीं है। सोचें कि क्या आप उनमें से एक होते।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ बर्बरता

बांग्लादेश का नाम लिए बिना उपराष्ट्रपति ने कहा कि लड़कों, लड़कियों और महिलाओं के साथ किस तरह की बर्बरता, यातना और मानसिक आघात का अनुभव किया जाता है, इसे देखिए। उन्होंने कहा कि हमारे धार्मिक स्थलों को अपवित्र किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति की टिप्पणी प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटाए जाने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर व्यापक हमलों की खबरों के संदर्भ में थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में दुर्गा पूजा समारोह के दौरान अप्रिय घटनाओं के बाद कम से कम 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

हमारे मानवाधिकार रिकॉर्ड पर उठा रहे सवाल

उन्होंने यहां राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए विभाजन, आपातकाल लागू किए जाने और 1984 के सिख विरोधी दंगों को ऐसी दर्दनाक घटनाएं बताया, जो याद दिलाती हैं कि आजादी कितनी नाजुक होती है। धनखड़ ने कहा कि कुछ ऐसी हानिकारक ताकतें हैं जो एक सुनियोजित रूप से हमें अनुचित तरीके से कलंकित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि इन ताकतों का अंतरराष्ट्रीय

मंचों का इस्तेमाल कर हमारे मानवाधिकार रिकॉर्ड पर सवाल उठाने का दुष्ट इरादा है।

भारत की छवि खराब करने की कोशिश

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि कुछ हानिकारक ताकतें भारत की खराब छवि पेश करने की कोशिश कर रही हैं और उन्होंने ऐसे प्रयासों को बेअसर करने के लिए प्रतिघात करने का आह्वान किया। धनखड़ ने साथ ही कहा कि भारत को दूसरों से मानवाधिकारों पर उपदेश या व्याख्यान सुनना पसंद नहीं है।

भूखमरी सूचकांक पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि ऐसी ताकतों को बेअसर करने की जरूरत है और भारतीय संदर्भ में वे इसके लिए प्रतिघात शब्द का इस्तेमाल करेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इन ताकतों ने सूचकांक तैयार किए हैं और ये दुनिया में हर किसी को रैंक दे रही हैं ताकि हमारे देश की खराब छवि पेश की जा सके। उन्होंने भुखमरी सूचकांक पर भी निशाना साधा, जिसकी सूची में भारत की रैंकिंग खराब है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान सरकार ने जाति और पंथ की परवाह किए बिना 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया।

राज्यपाल को वापस बुलाओ- स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हाल ही में चेन्नई में आयोजित हिंदी माह समापन समारोह के दौरान गाए गए राज्य गान तमिल थाई वाज्थु से द्रविड़ शब्द को हटाए जाने को लेकर शुक्रवार को राज्यपाल आरएन रवि पर निशाना साधा. हालांकि, राज्यपाल कार्यालय ने छ्रब्य प्रमुख के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि आरएन रवि केवल समारोह में भाग ले रहे थे और मंडली ने राज्य गान का पाठ करते हुए अनजाने में द्रविड़ शब्द छोड़ दिया. दरअसल, राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने पूछा कि क्या राज्यपाल रवि राष्ट्रगान से भी इस शब्द को हटाने की हिम्मत करेंगे और उन्होंने राष्ट्रगान से द्रविड़ शब्द को हटाने को राज्य और तमिल भाषा का अपमान बताया. उन्होंने केंद्र से रवि को तुरंत हटाने की मांग भी की और कहा कि वह द्रविड़ एलर्जी से पीड़ित हैं. स्टालिन ने कहा, द्रविड़ शब्द हटाना और तमिल थाई अभिवादन करना तमिलनाडु के कानून के खिलाफ है! जो व्यक्ति कानून के अनुसार नहीं चलता और अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करता है, वह उस पद पर रहने के योग्य नहीं है. भारत का जश्न मनाने की आड़ में, राज्यपाल देश की एकता और इस भूमि में रहने वाले विभिन्न जातियों के लोगों का अपमान कर रहे हैं. उन्होंने कहा, क्या द्रविड़ एलर्जी से पीड़ित राज्यपाल उन्हें राष्ट्रगान में द्रविड़ियन को बाहर करने के लिए कहेंगे? केंद्र सरकार को तुरंत राज्यपाल को वापस बुला लेना चाहिए जो जानबूझकर तमिलनाडु और राज्य के लोगों की भावनाओं का अपमान कर रहे हैं.राज्यपाल के मीडिया सलाहकार थिरुग्नाना संबंदम ने शुक्रवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट डाला, जिसमें कहा गया, कार्यक्रम की शुरुआत में मंडली जो थामिझथाई वाज़्थु का पाठ करती है, वह अनजाने में एक पंक्ति चूक गई है जिसमें द्रविड़ शब्द शामिल है.

बेनामी संपत्ति लेनदेन के प्रावधानों पर सुप्रीम का निर्णय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अपने 2022 के उस फैसले को वापस ले लिया, जिसमें बेनामी संपत्ति लेनदेन पर रोक लगाने वाले कानून के दो प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित किया गया था। ये प्रावधान ऐसे सौदों और संपत्तियों को अधिकारियों की तरफ से कुर्क किए जाने पर रोक लगाते हैं। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 23 अगस्त, 2022 के फैसले पर केंद्र की समीक्षा याचिका की सुनवाई करते हुए पूर्व सीजेआई एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली तीन-सदस्यीय पीठ की तरफ से दिए गए फैसले को वापस ले लिया। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2022 के अपने फैसले में तब माना था कि बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम, 1988 की धाराएं 3(2) और पांच स्पष्ट रूप से मनमानी होने के कारण असंवैधानिक थीं। अधिनियम की धारा-तीन बेनामी (किसी व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति के माध्यम से रखी गई संपत्ति) लेन-देन पर रोक से संबंधित है, जबकि धारा-पांच कुर्क करने योग्य बेनामी संपत्ति से संबंधित है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों से सहमति जताई कि इन दोनों प्रावधानों की वैधता को तत्कालीन पीठ के समक्ष चुनौती नहीं दी गई थी। पीठ ने कहा, इस मामले को देखते हुए, समीक्षा की अनुमति दी जानी चाहिए। यह एक सामान्य कानून है कि किसी वैधानिक प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने पर पक्षों के बीच जीवंत सुनवाई और विवाद की अनुपस्थिति में निर्णय नहीं लिया जा सकता है।

बस्तर मड़ई और क्षेत्रीय सरस मेला में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बस्तर मड़ई और क्षेत्रीय सरस मेला के अवसर पर लालबाग मैदान, बस्तर में गुरुवार की शाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मशहूर भजन गायक हंसराज रघुवंशी ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री रहते हुए दाऊद से मिले थे शरद पवार

मुंबई। वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) प्रमुख शरद पवार ने एक बार दुबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में दाऊद इब्राहिम से मुलाकात की थी। प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि वह आरोप नहीं लगा रहे बल्कि कुछ तथ्य सामने रख रहे हैं। अंबेडकर ने बताया कि शरद पवार 1988 से 1991 तक मुख्यमंत्री थे और उस दौरान उन्होंने विदेश यात्रा की। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पवार पहले लंदन गए, फिर एक बैठक के लिए कैलिफोर्निया में दो दिन बिताए। उन्होंने कहा कि मैंने कोई आरोप नहीं लगाया है लेकिन मैंने सिर्फ कुछ तथ्य सामने रखे हैं। 1998-1991 तक शरद पवार मुख्यमंत्री थे और उस दौरान वह लंदन गए और फिर एक बैठक के लिए कैलिफोर्निया गए। वह वापस लंदन आए और फिर प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि वह दुबई गए। उन्होंने दुबई में दाऊद इब्राहिम से मुलाकात की। हम पूछ रहे हैं कि क्या केंद्र सरकार ने इस मुलाकात को मंजूरी दी थी। अंबेडकर ने इस बात पर जोर दिया कि इब्राहिम के साथ पवार की इस मुलाकात की बारीकियों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

नवंबर 2024 में खत्म हो रहा है करतारपुर कॉरिडोर समझौता

नई दिल्ली। करतारपुर कॉरिडोर के लिए पहला पांच साल का समझौता नवंबर 2024 की शुरुआत में समाप्त होने वाला है। पाकिस्तान कथित तौर पर ननकाना साहिब जैसे अन्य महत्वपूर्ण सिख तीर्थ स्थलों को शामिल करने के लिए गलियारे का विस्तार करने का लक्ष्य बना रहा है। करतारपुर साहिब. 2019 में हस्ताक्षरित प्रारंभिक समझौते ने भारतीय तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान के नारोवाल जिले में श्रद्धेय गुरुद्वारा दरबार साहिब की यात्रा के लिए वीजा-मुक्त पहुंच की सुविधा प्रदान की है। 9 नवंबर, 2019 को भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन पाकिस्तान प्रधान मंत्री इमरान खान द्वारा उद्घाटन किया गया करतारपुर कॉरिडोर, भारतीय तीर्थयात्रियों को बिना वीजा के पाकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति देता है, हालांकि कुछ शर्तें लागू होती हैं। मौजूदा समझौते के तहत, प्रतिदिन 5,000 भारतीय तीर्थयात्री गुरुद्वारा दरबार साहिब जा सकते हैं, प्रत्येक तीर्थयात्री को 20 डॉलर का सेवा शुल्क देना होगा।

भारत ने लेबनान में भेजा 11 टन चिकित्सा आपूर्ति की पहली खेप

नई दिल्ली। भारत ने इजरायल और ईरान के बीच संतुलन बनाकर दुनिया में ये साबित कर दिया कि वो अपने सभी दोस्तों के साथ खड़ा रहता है। इस बार भारत ने लेबनान को मानवीय सहायता भेजी। विदेश मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 33 टन चिकित्सा आपूर्ति भेजी जा रही है। आज 11 टन चिकित्सा आपूर्ति की पहली खेप भेजी गई। इस सहायता का उद्देश्य मौजूदा चुनौतियों के बीच आवश्यक सहायता प्रदान करना है। ये कदम अपने आप में बड़ी कूटनीतिक सफलता है। मध्य पूर्व में संघर्ष कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार ये टकराव इजरायल और उसके पड़ोसी देशों के बीच बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। इजरायल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच के संघर्ष ने एक बड़ा रूप ले लिया है। इसके साथ इजरायल ईरान के खिलाफ भी लंबे समय से अपनी लड़ाई जारी रखे हुए है। लेकिन इन सब के बीच भारत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया हुआ है। भारत ने न तो किसी पक्ष का समर्थन किया और न ही किसी से दुश्मनी मोल ली है। आपने देखा होगा कि हाल में कई पश्चिमी और यूरोपी देश इजरायल से दूरी बनाते जा रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन को मिली जमानत

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को आप नेता और दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जमानत दी। इसमें मुकदमे में देरी और उनके लंबे समय तक जेल में रहने का हवाला दिया गया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मुकदमे में देरी और 18 महीने की लंबी कैद और इस तथ्य को देखते हुए कि मुकदमा शुरू होने में लंबा समय लगेगा, निष्कर्ष की बात तो दूर, आरोपी को राहत दी जानी चाहिए। इससे पहले सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश राकेश स्याल ने आरोपियों और ईडी की ओर से आवेदन पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। जैन के वकील ने अदालत से कहा था कि उन्हें आगे हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। ईडी ने आवेदन का विरोध करते हुए कहा था कि यदि जैन को रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। ईडी का मामला 2017 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जैन के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से सामने आया है। जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2009-10 और 2010-11 में फर्जी कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों में अकिंचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में कूदा तानाशाह किम जोंग

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को दो साल से ज्यादा वक्त हो चुका है। वहीं इसे लेकर दक्षिण कोरियाई जासूसों का कहना है कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में सहायता के लिए सेना भेज रहा है। इसके साथ ही रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को और विध्वंसक होने की संभावना बढ़ गई है। बता दें कि कुछ महीने पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था और उत्तर कोरियाई तानाशाह के साथ बैठक भी की थी। दक्षिण कोरियाई जासूसों के अनुसार यूक्रेन से जंग में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया की तरफ से 12,000 सैनिक भेजे गए हैं। दक्षिण कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी ने राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) के हवाले से बताया कि उत्तर कोरियाई सैनिक रूस की सहायता के लिए पहले ही रवाना हो चुके हैं। इससे पहले जून के महीने में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुति ने 24 साल बाद उत्तर कोरिया का दौरा किया था। जहां प्योंगयांग के हवाई अड्डे पर उत्तर कोरियाई नेता किम-जोंग-उन ने व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया था। इस दौरान उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में उनकी सैन्य कार्रवाइयों के लिए देश के दृढ़ समर्थन की सराहना की थी।

उप चुनाव से रखा जा रहा दूर?

गहलोत-पायलट को महाराष्ट्र भेजने के पीछे कांग्रेस की रणनीति

राहुल संपाल

हरियाणा में करारी हार और जम्मू कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेते हुए कांग्रेस ने महाराष्ट्र में बड़े नेताओं की फौज उतार दी है। राजस्थान में 7 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के बावजूद कांग्रेस आलाकमान ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। गहलोत बतौर सीनियर ऑब्जर्वर मुंबई और कोंकण संभाग देखेंगे। जबकि पायलट मराठवाड़ा संभाग के सीनियर ऑब्जर्वर बनाए गए है। इन दोनों नेताओं की नियुक्ति के बाद से ही राजस्थान कांग्रेस में हलचल तेज हो चली है।

दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर फिर से उप चुनाव होने जा रहे हैं। राज्य की झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूम्बर और रामगढ़ विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को चुनाव होंगे। 23 नवंबर को इन सीटों के नतीजे आएंगे। इन सीटों पर विधानसभा चुनाव के एक साल के अंतराल में ही उप चुनाव होने जा रहे है। कांग्रेस, भाजपा, आरएलपी, बीएपी सहित अन्य दल उपचुनावों में जीत के लिए रणनीति बनाने में जुटे हुए है। चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आए तो भजनलाल सरकार के कामकाज पर मुहर लगेगी। यदि कांग्रेस के पक्ष में आए तो पार्टी नेता इसे सत्ता विरोधी लहर बताएंगे। ऐसे में यह उपचुनाव भाजपा-कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय दलों के लिए भी परीक्षा की घड़ी है।

उपचुनाव के परीक्षा के बीच ही कांग्रेस हाईकमान ने बड़ा फैसला करते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को राजस्थान के बाहर चुनावी ड्यूटी में लगा दिया है। दोनों नेताओं को महाराष्ट्र चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्थान कांग्रेस के भीतर इन नेताओं को सौंपी गई जिम्मेदारी को लेकर चर्चा हो रही है।

हरियाणा चुनाव के सीनियर ऑब्जर्वर रहे अशोक गहलोत को मुंबई-कोकण और ठाणे जैसे जगहों की जिम्मेदारी दी गई है, जो शिंदे शिवसेना का गढ़ माना जाता है। गहलोत के लिए चुनौती यह है कि यहां उन्हें शिवसेना (यूबीटी) के साथ तालमेल बैठाना होगा। क्योंकि शिवसेना और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर लंबे वक्त से खींचतान चल रही है। इसी तरह कांग्रेस ने मराठवाड़ा क्षेत्र के लिए सचिन पायलट को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। मराठवाड़ा इलाके में विधानसभा की 46 सीटें हैं। यह इलाका किसी भी पार्टी का गढ़ नहीं रहा है. हालांकि, मराठा आरक्षण की वजह से इस बार एनडीए के लिए यहां की राह मुश्किल है। आरक्षण मुद्दे की वजह से मराठाओं का समर्थन कांग्रेस को मिल सकता है। हालांकि, पार्टी की मुश्किलें इन इलाकों में अन्य जातियों को साधने की है।

गहलोत-पायलट करेंगे राजस्थान में प्रचार

राजस्थान में 7 सीटों में उपचुनाव होने है। इन सात सीटों के समीकरण के हिसाब से केवल एक मात्र सीट सलूंबर भाजपा की सीट है। बाकी अन्य छह सीटों पर कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों का कब्जा है। इन उपचुनावों में अगर भाजपा एक से ज्यादा सीट हासिल करती है तो निश्चित है कि भाजपा को फायदा होगा। क्योंकि उसके पास वह सीटें भी आ जाएगी जो उसने विधानसभा चुनाव 2023 में नहीं जीत पाई थी।

जहां तक अन्य सीटों के बात है तो सभी के समीकरण अलग अलग है। खींवसर और चौरासी विधानसभा सीट पर क्षेत्रीय पार्टियों का दबदबा है। खींवसर सीट हनुमान बेनीवाल की पार्टी आरएलपी का कब्जा है। इस सीट से बेनीवाल विधायक चुके गए थे। बाद वे नागौर सीट सांसद बन गए। इसी तरह चौरासी सीट से बीएपी के राजकुमार रोत विधायक चुने गए थे। वे भी सांसद बन गए। इन दोनों ही सीटों पर इन पार्टियों की पकड़ है। वहीं दौसा,देवली उनियारा और झुंझुनू विधानसभा पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के प्रभाव वाली सीट मानी जाती है। इन सीटों से जीते कांग्रेस के विधायक सांसद बन गए है। इन सीटों पर अगर पायलट प्रचार करेंगे तो निश्चित ही कांग्रेस फिर से इसे हासिल कर सकती है। बाकि सलूम्बर और रामगढ़ सीट कांग्रेस के प्रभाव वाली सीटे है। सलूम्बर सीट पर भाजपा का कब्जा है। यहां न तो गहलोत का कोई फैक्टर है न ही सचिन पायलट का कोई प्रभाव है। इस सीटों पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा मेहनत करते हुए नजर आ रहे है। ताकि पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल कर सके।

जहां तक गहलोत और पायलट की महाराष्ट्र में ड्यूटी लगाने की बात है तो दोनो नेता पहले भी कई चुनावी राज्यों के पर्यवेक्षक तौर पर नियुक्ति की जा चुके है। क्योंकि महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव इन सात सीटों की तुलना में बेहद अहम माना जा रहा है। कांग्रेस को वहां वरिष्ठ नेताओं की ज्यादा जरूरत है। ऐसे में ये दोनो नेता वहां जाकर पार्टी का कामकाज देखेंगे। जहां तक बात राजस्थान की है तो ये दोनों ही यहां जरुर प्रचार करेंगे क्योंकि इन दोनों के अलावा अभी तक कांग्रेस के पास को कोई ऐसा चेहरा नहीं है जो पूरे राजस्थान पर प्रभाव डालता हो। कांग्रेस की राजनीति पर नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार रशीद किदवई कहते है कि, राजस्थान में 2023 में विधानसभा चुनाव के बाद 2024 में लोकसभा के चुनाव हुए। इन चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन किया। अब उप चुनाव भी उन्हीं की लीडरशिप में होने जा रहा है।

31 नहीं मुठभेड़ में मारे गए 38 नक्सली, सभी की हुई शिनाख्त: बस्तर आईजी

जगदलपुर। नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर बसे नेंदूर-थुलथुली मुठभेड़ में 31 नहीं 38 नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया था। इस बात की पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने की है। वहीं, बताया जा रहा है कि मारे गए सभी नक्सलियों की शिनाख्त हो चुकी है। इन सभी नक्सलियों के ऊपर दो करोड़ 62 लाख का इनाम घोषित था।

तीन अक्तूबर को थुलथुली नेंदुर क्षेत्र में पूर्वी बस्तर डिवीजन, पीएलजीए कंपनी 6, इंद्रावती एरिया कमिटी, प्लाटून 16 इत्यादि के शीर्ष नक्सलियों की आसूचना पर दंतेवाड़ा डीआरजी, नारायणपुर डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम नक्सल गश्त सर्च पर निकली थी। मुठभेड़ में 31 माओवादियों के शव हथियार सहित अन्य सामान बरामद हुए थे। साथ ही सभी सुरक्षाबल सुरक्षित ऑपरेशन से वापस लौटे थे। भाकपा माओवादी (पूर्वी बस्तर डीविजन कमेटी) द्वारा जारी प्रेस बयान के अनुसार अन्य सात माओवादी के मुठभेड़ में मारे जाने की पुष्टि की।

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. द्वारा बताया गया कि मुठभेड में एक डीकेएसजेडसी, एक सी.वाय.पी.सी. कमांडर, चार डीवीसीएम, 18 पीएलजीए कंपनी नंबर छह सदस्य, दो डीकेएसजेडसी गार्ड, नौ एरिया कमिटी सदस्य तथा एक एरिया कमिटी के पार्टी सदस्य, दो जन मिलिशिआ कैडर की पहचान कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। उप पुलिस महानिरीक्षक दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप द्वारा बताया गया कि मुठभेड़ में मारे गए 29 माओवादियों के शव को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की प्रबल संभावना है।

पहचान किए जा चुके 38 माओवादियों की सूची

1. नाम - नीति उर्फ उर्मिला उम्र - 45 वर्ष पद - डीकेएसजेडसीएम, पूर्व बस्तर डिविजन कमेटी सचिव, 25 लाख इनामी, निवासी ग्राम हिरमागुण्डा थाना गंगालूर जिला बीजापुर

नीति उर्फ उर्मिला के विरूद्ध जिला दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर एवं कोण्डागांव में कुल 60 अपराध पंजीबंद्व है जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़- 20, कैम्प अटैक- 2, आईईडी ब्लास्ट- 6, आगजनी- 3 जैसे विभिन्न घटनाओं में शामिल रही, जिसमें कुल- 6 आम नागरिक की हत्या, 13 आम नागरिक घायल, सुरक्षा बल के 7 जवान बलिदान व 9 जवान घायल हुये थे।

2. नाम - नंदू मण्डावी पद-सी.वाय.पी.सी. सदस्य, कंपनी नंबर 6 कमाण्डर पष्चिम बस्तर डिवीजन, 10 लाख इनामी, निवासी ग्राम कोतराम थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर। नंदू मण्डावी के विरूद्व जिला दंतेवाड़ा एवं नारायणपुर में कुल 7 अपराध पंजीबंद्व है जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़-04, कैम्प अटैक-01, जैसे विभिन्न घटनाओं में शामिल रहा जिसमें कुल- 1 आम नागरिक की हत्या, सुरक्षा बल के दो जवान बलिदान व एक जवान घायल हुये थे।

3. नाम - सुरेश सलाम उर्फ जानकू पद - डीव्हीसीएम पूर्वी बस्तर डिवीजन 8 लाख इनामी निवासी ग्राम छोटे फरसगांव थाना झारा जिला नारायणपुर। सुरेश सलाम उर्फ जानकू मण्डावी के विरूद्व जिला दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर एवं कोण्डगांव में कुल 38 अपराध पंजीबंद्व है जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़-11, कैम्प अटैक- 1, आईईडी ब्लास्ट- 3, पोलिंग बूथ पर हमला-01, आगजनी- 1 जैसे विभिन्न घटनाओं में शामिल रहा, जिसमें कुल- 5 आम नागरिक की हत्या, 11 आम नागरिक घायल, सुरक्षा बल के 6 जवान बलिदान व 3 जवान घायल हुये थे।

4. नाम - मीना नेताम उम्र - 44 वर्ष पद - डीव्हीसीएम पूर्वी बस्तर डिवीजन, 8 लाख इनामी, निवासी ग्राम मोहंदी जिला नारायणपुर। मीना नेताम के खिलाफ जिला नारायणपुर में कुल 7 अपराध पंजीबंद्व है जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड- 3, आईईडी ब्लास्ट- 1, आगजनी- 1 जैसे विभिन्न घटनाओं में शामिल रही जिसमें कुल- 2 आम नागरिक घायल हुये थे।

5. नाम - महेश मण्डावी पद - डीव्हीसीएम पूर्वी बस्तर डिवीजन, 8 लाख इनामी, निवासी ग्राम घोटिया थाना मालेवाही, जिला दंतेवाड़ा

महेश मण्डावी के खिलाफ जिला दंतेवाड़ा, नारायणपुर एवं बस्तर में कुल 8 अपराध पंजीबंद्व है जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़- 3, कैम्प अटैक- 1, आगजनी- 2 जैसे विभिन्न घटनाओं में शामिल रहा जिसमें कुल- 3 आम नागरिक की हत्या हुई थी।

6. नाम- मुरली मातलामी पद - डीव्हीसीएम ,पूर्वी बस्तर डिवीजन 8 लाख इनामी ग्राम मण्डानार ब्लाक अंतागढ़ जिला कांकेर।

मुरली मातलामी के विरूद्व जिला दंतेवाड़ा एवं नारायणपुर में कुल 13 अपराध पंजीबंद्व है जिनमें पुलिस-नक्सली मुठभेड़- 6, पोलिंग बूथ पर हमला- 2, आईईडी ब्लास्ट- 2, एम्बुश- 1, आगजनी- 2 जैसे विभिन्न घटनाओं में शामिल रहा जिसमें कुल- 2 आम नागरिक की हत्या, 11 आम नागरिक घायल, सुरक्षा बल के 3 जवान बलिदान व 1 जवान घायल हुये थे।

7. नाम - बुधराम मड़काम पद - पी.पी.सी.एम., पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 6 सदस्य, 8 लाख इनामी, निवासी भैरमगढ़ जिला बीजापुर।

8. नाम - बसंती वड़द्दा पति साकेत उम्र - 30 वर्ष पद - पी.पी.सी.एम. पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 6 सदस्या, 8 लाख ईनामी, निवासी ग्राम थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर।

9. नाम-जगनी वड्डे उम्र - 36 वर्ष पद- पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्या,08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम अडेंगपाल थाना बैंगलूर जिला नारायणपुर।

10. नाम - सोमे दुग्गा उम्र- 30 वर्ष करीबन पद - पी.पी.सी.एम. पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्य,08 लाख ईनामी,निवासी ग्राम रेखावट्टी थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर।

11. नाम- जुगनी कावड़े उर्फ अनिता पद- पी.पी.सी.एम.पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्या ,08 लाख ईनामी , ग्राम किलेनार ब्लाक अंतागढ़ जिला कांकेर।

12. सुषील उर्फ धन्नी कोवाची पद- पी.पी.सी.एम.,पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्या,08 लाख ईनामी, ग्राम काकड़ीपदर थाना पुंगारपाल जिला कोण्डागांव।

13. नाम - दशमति पोयाम पद- पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी,निवासी ग्राम रोताड, पोचावाडा थाना ओरछा जिला नारायणपुर।

14. नाम - मासे उर्फ शकीला पिता स्व- बुडता उम्र - 26 पद- पी.एल.जी.ए.कम्पनी नंबर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी, ग्राम तोयामेटा थाना छोटेडोंर जिला नारायापुर।

15. नाम - सोमारू मंडावी पिता बलधर मंडावी उम्र - 24 वर्ष पद- पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम तोयामेटा थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर(छ0ग0)।

16. नाम- मड़कम मंगू पिता मड़कम हिड़मा पद- पी.एल.जी.ए. कम्पनी नंबर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम बुड़जी थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर।

17. नाम - अर्जुन उर्फ रंजीत नेताम उम्र- 30 वर्ष करीबन पद - पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, वन प्लाटून सचिव/कमांडर , 08 लाख ईनामी, ग्राम डुंगा-पल्लेवाया थाना ओरछा जिला नारायणपुर छग।

18. नाम - सुन्दर उर्फ कमलू कलमू पद - पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 पार्टी सदस्य, 08 लाख ईनामी, ग्राम मदूम थाना गंगालूर जिला बीजापुर।

19. नाम - मोहन मण्डावी पद - पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम बोदली थाना मालेवाही जिला दंतेवाड़ा।

20. नाम - अनिल डोड्डी पद - पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम मदूम थाना गंगालूर जिला बीजापुर।

21. नाम - जनीला उर्फ बुधरी कोवाची उम्र - 40 वर्ष पद- पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी, निवासी ग्राम साकिन कोटमेटा थाना पूँगारपाल जिला कोण्डागांव।

22. नाम- सुगदाय कष्यप पद- पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, ग्राम कहचेनार थाना मालेवाही जिला बस्तर।

23. नाम- सोमारू कड़ती पद- पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्य, 08 लाख ईनामी, ग्राम कुव्वे ब्लाक गीदम थाना बारसूर जिला दंतेवाड़ा।

24. नाम- सुमन उर्फ षांतो मड़काम पद- पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर 06 सदस्या, 08 लाख ईनामी, ग्राम रेखावाया थाना ओरछा जिला नारायणपुर।

25. नाम- मनोज उर्फ संपत मंडावी पिता स्व. सोनारू उम्र 35 वर्ष पद- आमदई एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी, ग्राम ताड़नार पंचायत पोचावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर।

26. नाम - सुक्कु उर्फ गुड्डू सलाम उम्र - 34 वर्ष पद - बयानार एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम कानागांव थाना कोहकामेट्टा जिला नारायणपुर।

27. नाम - विजय उर्फ सुकलू कोर्राम पद - बयानार एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम कोंगेरा घोटिया पारा थाना झारा जिला नारायणपुर।

28. नाम - सोनू कोर्राम पद - बयानार एरिया कमेटी सदस्य, 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम सूलेंगा थाना धौड़ाई जिला नारायणपुर।

29. नाम - जमली मंडावी उम्र - 36 वर्ष पद - आमदई एरिया कमेटी सदस्या 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम मोडोनार तोयामेटा थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर।

30. नाम - फुलो उर्फ सुंदरी ओयाम उम्र- 30 वर्ष करीबन पद - आमदई एरिया कमेटी सदस्या 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम झिल्ली थाना भैरमगढ़, जिला बीजापुर।

31. नाम- रोहन पद्दा उर्फ सोहन, पद- एसीएम डिवीजन कम्युनिकेशन जिम्मेदारी, 5 लाख ईनामी, ग्राम कुमुरगुण्डा थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर।

32. नाम - रामदेर कोर्राम पद - बयनार एरिया कमेटी सीनियर पार्टी सदस्य 5 लाख ईनामी, निवासी ग्राम उसरी थाना मर्दापाल जिला कोंडागांव।

33. नाम- सीमा उर्फ जुगाय कोर्राम बयनार एरिया कमेटी सीनियर पार्टी सदस्या, 5 लाख ईनामी, ग्राम सुलेंगा थाना धौड़ाई जिला नारायणपुर।

34. नाम- मंगलदई कश्यप पिता स्व. जगन्नाथ उम्र- 35 पद- एसजेडसीएम नीति की गार्ड, पार्टी सदस्या 02 लाख रूपये निवासी- ग्राम कुधुर पोस्ट मटवाल थाना फुंगारपाल जिला कोंडागांव।

35. नाम- जनबती कश्यप पद- एसजेडसीएम नीति की गार्ड, पार्टी सदस्या 02 लाख रूपये ग्राम इरपानार ब्लाक भैरमगढ़ जिला बीजापुर।

36. नाम- फूलमती पदामी पिता घसिया पदामी उम्र 27 वर्ष पद- आमदई एरिया पार्टी सदस्या, ईनामी 02 लाख, निवासी ग्राम ईरपानार थाना बारसूर जिला दंतेवाड़ा।

37. नाम - लोकेश उर्फ साबन पोयाम पद- जनमिलिशिया सदस्य, निवासी ग्राम एरपुंड सालेपाल थाना मालेवाही जिला दंतेवाड़ा।

38. नाम- फुलसिंग कोवाची पद- जनमिलिशिया सदस्य ग्राम भटबेड़ा थाना बारसूर जिला दंतेवाड़ा।

मुठभेड़ में मारे गये 38 माओवादियों पर कुल 2.62 करोड़ का इनाम घोषित था, जिन पर जिला दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोण्डागांव, बस्तर में कुल 250 से अधिक अपराध दर्ज हैं। उक्त माओवादियों के द्वारा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ 61, कैम्प अटैक 11, आईईडी ब्लास्ट 17, आगजनी 09, पोलिंग बूध पर हमला 03 जैसे गंभीर अपराध किये गयें जिनमें कुल 26 आम नागरिक घायल, 23 आम नागरिको की हत्या, 15 पुलिस जवान घायल व 28 पुलिस जवान बलिदान हुये।

बस्तर मड़ई और सरस मेला में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

जगदलपुर। बस्तर मड़ई और क्षेत्रीय सरस मेला के अवसर पर लालबाग मैदान में गुरुवार की शाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मशहूर भजन गायक हंसराज रघुवंशी ने अपनी सुरमयी प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया।

हंसराज रघुवंशी ने अपनी धुनों और भक्ति रस से सराबोर गीतों से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध गीत मेरा भोला है भंडारी के साथ एक के बाद एक लोकप्रिय भजन प्रस्तुत किए, जिनमें जय शिव शंकर, मेरे भोलेनाथ और अन्य कई प्रसिद्ध गीत शामिल थे। रघुवंशी ने अपनी प्रस्तुति के दौरान दर्शकों से गीत में सहयोग और तालियों से सहभागिता की अपील की, तो दर्शकों ने भी बराबर सहायता की। कार्यक्रम में नारायणपुर के प्रसिद्ध अबुझमाड मलखंभ अकादमी के हुनरबाज मलखंभ प्रदर्शन, बादल अकादमी की प्रस्तुति सहित स्थानीय लोकनृत्य दलों ने भी प्रस्तुति दी।

दर्शकों की हजारों की संख्या में पहुंचने वाले बस्तरवासियों के साथ ही समीपवर्ती जिलों और ओडिशा राज्य के भी जन पहुंचे थे। शासन और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस बस्तर मड़ई और सरस मेला क्षेत्र भी चहल-पहल से भरा रहा, जहां विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी तथा स्व-सहायता समूहों के उत्पाद और हस्तशिल्प के स्टॉल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मेला में आई भीड़ ने न केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया, बल्कि बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति और शिल्प का भी अनुभव किया। बस्तर मड़ई और क्षेत्रीय सरस मेला का यह आयोजन प्रदेश एवं अन्य राज्य की संस्कृति, परंपरा और कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

48 घंटे बाद भी छात्रा का नहीं लगा कोई सुराग, सीसीटीवी कैमरे में जाती हुई थी दिखी

बीजापुर। लोहंडीगुड़ा थाना क्षेत्र के कस्तूरबा कन्या आश्रम में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा का 48 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस के साथ ही आश्रम के लोग छात्रा की तलाश में जुटे हुए हैं। वहीं, बस संचालकों से लेकर ड्राइवर आदि से भी पूछताछ चल रही है।

बताया जा रहा है कि लोहंडीगुड़ा में स्थित 100 सीटर कस्तूरबा कन्या आश्रम में ककनार की रहने वाली एक 14 वर्षीय छात्रा दो दिन पहले ही अपने घर से वापस आई थी। छात्रा बुधवार की सुबह 10 बजे के लगभग आश्रम के पीछे रास्ते से जाते हुए सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दी है। आश्रम अधीक्षिका श्यामबती कश्यप ने इस मामले की जानकारी पहले परिजनों को दी, उसके साथ ही लोहंडीगुड़ा पुलिस को दी गई।

इस मामले में लोहंडीगुड़ा थाना प्रभारी का कहना है कि बुधवार की सुबह ही छात्रा अचानक से बिना बताए चली गई है। वहीं, अधीक्षिका के बताए अनुसार व आवेदन पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, दशहरा के चलते छात्रा अपने घर ककनार गई हुई थी। दो दिन पहले ही आई, ऐसे में छात्रा अभी तक अपने घर नही पहुंची है। ऐसा बताया भी जा रहा है कि इससे पहले भी दो बार छात्रा इसी तरह हॉस्टल से जा चुकी है। फिलहाल पुलिस से लेकर परिजन छात्रा की तलाश में जुटी हुई है।

वहीं, छात्रा को खोजने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीम भी बनाई गई है, जो छात्रा को खोजने में लगी हुई हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि छात्रा पीछे के दरवाजे से निकलने के बाद हो सकता है कि किसी बस में सवार होकर कहीं चली गई होगी। उस क्षेत्र में चलने वाले बस ड्राइवरों से भी पूछताछ की जा रही है कि किसी ने उस छात्रा को देखा है कि नहीं। अन्य बस का इंतजार किया जा रहा है, जहां उसके वापस आने के बाद ही छात्रा की पहचान किए जाने की बात कही जा रही है। लेकिन 48 घंटो के बाद भी अब तक छात्रा का ना मिलना काफी चिंताजनक बना हुआ है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सी मार्ट में शॉर्ट सर्किट लगी आग, पूरे इलाके में हड़कंप

कोरबा। कोरबा में टीपी नगर स्थित सी मार्ट में आगजनी की घटना सामने आई। आग लगने की सूचना तत्काल दमकल वाहन और पुलिस को दी गई। दमकल वाहन की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। शॉर्ट सर्किट के चलते आगजनी की घटना सामने आई है। इस आगजनी की घटना में दुकान संचालक को कितने का नुकसान हुआ है। वह अभी आकलन नहीं कर सका है लेकिन कुछ सामान जल गए हैं। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जलकर खाक हो गए हैं। समय रहते अगर आंख पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ी घटना घट सकती थी। दुकान संचालक अखलेश अग्रवाल ने बताया कि रात को करीब 10 बजे वे दुकान बंद ही करने वाले थे। कुछ ग्राहक अंदर में सामान निकाल रहे थे। वहीं, दुकान के कर्मचारी बंद करने की तैयारी में जुटे हुए थे। इस दौरान अचानक एसी में आग लग गई। और विद्युत उपकरण जलने लगे पूरा दुकान का अंदर मार्ट धुआं-धुआं हो गया। ग्राहक और कर्मचारी बाहर निकाल कर भागने लगे इसकी सूचना तत्काल दमकल वाहन को दी गई।

कोरबा में बवाल, रावन दहन के दौरान हुई मारपीट

कोरबा। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के गृहग्राम कोहड़िया ग्राम में रावण दहन के बाद जमकर बवाल हुआ और सरेआम मारपीट की घटना सामने आई। इसमें कोहड़िया में ही रहने वाले दबंग युवकों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें युवक लात, डंडे करछुलऔर मुक्के से युवकों की जमकर पिटाई कर रहे हैं। इस मारपीट की घटना में चार युवक समेत एक महिला घायल हो गई है। सभी के सिर पर गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले युवक कोहड़िया निवासी सोनू पटेल, अभय निषाद,प्रीमेश देवांगन समेत कुछ योर कोड मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। इस मामले में मारपीट की शिकायत बरमपुर निवासी सूर्य प्रकाश पटेल ने सीएसईबी चौकी पुलिस से की है, जहां घायलों का मुलायजा करने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि प्रभारी समेत अन्य अफसर मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

मेकाज से भागा कैदी, पुलिस ने दंतेवाड़ा से किया गिरफ्तार

जगदलपुर। मेडिकल कालेज डिमरापाल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया कैदी हथकड़ी खोलकर फरार हो गया था। घटना की जानकारी लगते ही ड्यूटी पर तैनात जवान उसकी खोजबीन में जुट गए थे। 24 घंटे के बाद पुलिस ने कैदी को दंतेवाड़ा से गिरफ्तार कर लिया है। परपा थाना प्रभारी दिलबाग सिंह ने बताया कि गीदम में रहने वाला महेंद्र दीवान (25) को दंतेवाड़ा पुलिस ने आठ अक्तूबर को दंतेवाड़ा में स्थित 9वीं बटालियन में आठ लाख रुपये के चोरी मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार मुकेश आरक्षक के पद पर था, जिसे पुलिस ने बर्खास्त कर दिया था। उपजेल में रहने के दौरान आरोपी का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसे तीन जेल पहरी के निगरानी में 14 अक्तूबर को मेकाज में भर्ती किया गया। 17 की सुबह चार बजे के लगभग कैदी ने अपने पैर में बंधे हथकड़ी को खोलकर फरार हो गया, जिस समय कैदी भागा, उसे किसी ने भी नही देखा। इसके चलते भागने में सफल रहा। सुबह जब जेल पहरियों को पता चला तो उन्होंने इसकी सूचना थाना को दी गई।

साइकिल अनियंत्रित होने से नहर में गिरा किसान

बालोद। बालोद जिले के गुंडरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम हल्दी में एक किसान साइकिल अनियंत्रित होने से नहर में जा गिरा। जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। किसान की पहचना हरिदास मानिकपुरी (65) के रूप में हुई है। मौके पर सूचना के बाद पुलिस पहुंची। लेकिन घटना के 12 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। अपने खेतों के काम कर शाम के वक्त लौटते समय किसान के साथ यह हादसा हुआ। थाना प्रभारी लक्ष्मी जयसवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली तो तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची आसपास के ग्रामीणों से बात भी की गई। उसके बाद पुलिस द्वारा रात के अंधेरे में किसान को तलाश किया गया। आधी रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अंधेरा और जलाशय के पानी का तेज बहाव होने के कारण हमें सफलता नहीं मिली है। शुक्रवार सुबह किसान को ढूंढने का प्रयास शुरू किया है। गांव के ढालेंद्र सार्वा ने बताया कि जब किसान नहर में बह रहा था तो उन्होंने आवाज देकर बताया कि मैं हरी हूं और नहर में बह रहा हूं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा

बेमेतरा। पुलिस चौकी देवकर के अंतर्गत शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई है। युवक मॉर्निंग वॉक के लिए निकला था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। मौके से वाहन चालक फरार हो गया है। जानकारी अनुसार, देवकर से दुर्ग-बेमेतरा मुख्य मार्ग में संतोष ढाबा के पास शुक्रवार को किसी अज्ञात वाहन ने सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले ग्राम डेहरी निवासी राजा राम निषाद (38) को रौंद दिया। मौके से वाहन चालक फरार हो गया है। आसपास से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। युवक के सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मौत हो गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए साजा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। साजा में दोपहर एक बजे पीएम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कामय कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कलेक्टर ने 31 राइस मिलर्स की बैंक गांरटी राजसात करने के दिए निर्देश

कबीरधाम। कबीरधाम कलेक्टर गोपाल वर्मा ने खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के अंतर्गत कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव और नान तथा एफसीआई में चावल जमा करने के संबंध में समीक्षा की। कलेक्टर ने अब तक जिले में धान के उठाव के अनुपात में लक्ष्य के अनुरूप नान और एफसीआई में जमा किए चावल की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप कम चावल जमा करने पर फटकार लगाई है। 31 राइस मिलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा चावल जमा नहीं करने पर बैंक गारंटी राजसात करने के साथ राइस मिल को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर वर्मा ने जिले में नागरिक आपूर्ति निगम में शेष चावल को एक सप्ताह के भीतर जमा करने के लिए सभी राइस मिलर्स को निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि 31 राइस मिलर्स द्वारा 52 हजार 148 मी. टन चावल जमा करने का लक्ष्य है। इनके द्वारा 36 हजार 97 मी. टन चावल जमा किया गया है। 16 हजार 50 मी. टन चावल जमा करना शेष है।कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि जिले में धान का उठाव हो चुका है, लेकिन चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय सीमा के भीतर सभी राइस मिलर्स से चावल जमा कराएं और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि तय समय सीमा में चावल जमा नहीं होता है, नियामानुसार कार्रवाई होगी।

जिले में चावल जमा करने की प्रक्रिया में देरी से सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे आम जनता को असुविधा होगी। इसीलिए, समय पर चावल जमा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने, भौतिक सत्यापन और प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिला खाद्य अधिकारी सचिन मरकाम ने बताया कि जिले के राइस मिलर्स द्वारा तीन लाख 32 हजार 114 मी. टन धान का उठाव किया गया है। इसके अनुरूप राइस मिलर्स को दो लाख 24 हजार 830 मी. टन चावल जमा करना था लेकिन अब तक राइस मिलर्स द्वारा एक लाख 57 हजार 987 मी. टन चावल जमा किया गया है। कलेक्टर वर्मा ने शेष 66 हजार 847 मी. टन चावल जमा करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

बाइक सवार युवक को बचाने के चक्कर में पलटी कार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय में गुरुवार की रात बाइक सवार एक युवक को बचाने के चक्कर मे मेडिकल कालेज के पास कार पलट जाने से कार सवार छात्रावास अधीक्षक की मौत हो गई, वहीं एक अन्य घायल हो गया है। उक्त मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार की रात चक्रधर नगर थाना क्षेत्र मे डिग्री कालेज के पास स्थित एक छात्रावास के अधीक्षक सुनील कुमार यादव (36) अपने दोस्त आशीष कुमार होता के साथ किसी काम के सिलसिले मे नेक्सोन कार से ओडिशा की तरफ गए हुए थे। वहां से वापसी के दौरान रात तकरीबन 8 बजे के आसपास जब कार सवार दोनों मेडिकल कॉलेज के पास पहुंचे ही थे की रॉन्ग साइड से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर मे उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इसके बाद आनन फानन मे दोनों घायलों को मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा रायगढ़ मेडिकल कॉलेज मे ले जाया गया, जहां प्रारंभिक जांच मे ही डॉक्टर ने सुनील यादव को मृत घोषित कर दिया। सड़क हादसे में छात्रावास अधीक्षक सुनील यादव की मौत की खबर मिलते ही चक्रधर नगर थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे जिसके बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आगे की कार्रवाई मे पुलिस टीम जुट गई है।

चक्रधर नगर थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने बताया की बाइक सवार एक युवक को बचाने के चक्कर मे यह घटना घटित हुई है और दुर्घटना के समय कार को छात्रावास अधीक्षक सुनील यादव चला रहे थे। इस घटना में कार पूरी तरह से पलट गई थी जिसके बाद बाइक सवार युवक भी भाग गया है। बताया जा रहा की इसी माह कुछ दिन पहले ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल से किसी काम के सिलसिले मे बाहर निकलते ही एक वार्ड बॉय की स्कार्पिओ वाहन की चपेट मे आने से उसकी मौत हो गई थी। रायगढ़ को ओड़िसा से जोड़ने वाले इस मार्ग मे 24घंटे वाहनो की आवाजाही लगी रहती है, और इस बीच लापरवाही से इस तरह की घटना घटित हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री राजवाड़े की पहल और निर्देश पर 60 से अधिक आवेदनों का हुआ निराकरण

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ

ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहायता केंद्र में समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के क्रम मेंप्रदेश की महिला व बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने उपस्थित रहकर 60 से अधिक आवेदनों का त्वरित निराकरण किया। इस दौरान सहायता केन्द्र में स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, आवास आदि से संबंधित एवं विकास कार्यों के आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इनमें से अधिकांश आवेदनों का निराकरण संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा करके तत्काल किया और शेष आवेदनों के यथाशीघ्र निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े के साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरला कोसरिया, भाजपा पार्टी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विजय शंकर मिश्रा, रूपनारायण सिन्हा एवं आईटी सेल संयोजक सुनील पिल्लई मौजूद रहे।

रिटायर्ड आईएएस अफसर को मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा, आदेश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आरएस विश्वकर्मा को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। उन्हें राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष के रूप में दर्जा दिया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग आदेश जारी कर दिया है। इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि यह दर्जा केवल शिष्टाचार के रूप में प्रदान किया गया है।

भाजपा ने जारी किया कार्टून पोस्टर, प्रदेश म अब नई चलय कांग्रेसी गुंडा मन के राज

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा ने सोशल मीडिया

प्लेटफार्म एक्स पर कार्टून पोस्टर जारी किया है। जारी पोस्टर में दो किसानों को आपस में बात करते हुए दिखाया गया है। पोस्ट में लिखा है कि प्रदेश में अब नई चलय कांग्रेसी गुंडा मन के राज काबर की अपराधी मन ऊपर नकेल कसत है विष्णु सरकार।

पांच आपदा पीड़ित परिवार को 20 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

बलौदाबाजार। प्राकृतिक आपदा से पांच मृत व्यक्ति के निकट परिजन के लिए 20 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। पांच व्यक्ति के लिए 20 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर दीपक सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार लाभान्वित हितग्राही में सोनाबाई पति स्व. मनीराम यादव, निवासी ग्राम बछेरा तहसील सिमगा, फिरतराम पिता झाडूराम, निवासी ग्राम पुटपुरा, तहसील कसडोल,बिहारी पिता फिरतू रात्रे, निवासी ग्राम देवरीखुर्द, तहसील कसडोल, राजकुमारी पति स्व. द्वारिका ध्रुव, निवासी ग्राम सेमरिया, तहसील कसडोल एवं नवधे साहू पिता स्व. पंचराम साहू, निवासी ग्राम बैजनाथ, तहसील कसडोल शामिल हैं। हितग्राही के निकट परिजन आकाशीय बिजली गिरने, सर्पदंश, कुंआ, तालाब के पानी में डूबने तथा आंधी तूफान आ जाने के कारण बाड़ी में लगे पम्प कनेक्शन के तार टुटने कर करंट लगने से मौत हो गई थी। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित परिवार के खाते में राशि जमा करने के निर्देश दिये हैं।

एआईसीसी ने महंत को ओड़िशा कांग्रेस के संगठनात्मक कार्य की सौंपी जिम्मेदारी

रायपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने

छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत को ओड़िशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठनात्मक कार्य की महती जिम्मेदारी सौंपी है। बता दें गुरुवार देर रात अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव श्री के.सी. वेणुगोपाल ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिका अर्जुन खडगे के हवाले से पत्र जारी कर यह आदेश निकाला है। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष एवं ओड़िशा संगठनात्मक प्रभारी डॉ. चरणदास महंत ने इस भरोसे और विश्वास के लिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकाअर्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गाँधी, महासचिव एवं सांसद श्री राहुल गाँधी जी, महासचिव श्रीमती प्रियंका गाँधी,श्री के.सी. वेणुगोपाल जी का आभार व्यक्त करते हुये कहा है कि, इस महती जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी से पूर्ण करने का भरोसा दिलाता हूँ।

प्रदर्शनकारियों को धरना स्थल खाली करने का फरमान

प्रदर्शन कर रहे संगठनों ने किया विरोध, कहा- मांगें पूरी होने तक देंगे धरना, नया रायपुर में नहीं लगा है आचार संहिता

रायपुर। नया रायपुर तूता स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन कर रहे सभी संगठन को कलेक्टर ने प्रदर्शन स्थल को खाली करने का आदेश जारी किया है। पत्र में आचार संहिता और निर्माण कार्य के चलते तुरंत धरना स्थल खाली करने की बात कही गई है। वहीं प्रदर्शनकारियों ने इस आदेश का विरोध किया है और कहा है कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक हम यहां से नहीं हटेंगे। हमारी उपस्थिति में भी निर्माण कार्य कराया जा सकता है। आचार संहिता की बात है तो सिर्फ रायपुर दक्षिण क्षेत्र में यह लागू है। नया रायपुर में आचार संहिता नहीं लगा है।

आदेश पत्र में लिखा है कि रायपुर में राज्योत्सव मैदान के सामने ग्राम तुता में नवीन धरना स्थल घोषित किया गया है। धरना स्थल पर नलों, दरवाजों की तोड़फोड़, बिजली के केबल एवं लाइट्स की चोरी हो गई है। इसके कारण अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने वाले लागों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए नवा रायपुर अटल नगर विकास

प्राधिकरण से धरना स्थल में आवश्यक निर्माण एवं सुधार कार्य करने पत्राचार किया गया है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्रधिकरण द्वारा धरना स्थल में निर्माण कार्य एवं सुधार कार्य किए जाने के पूर्व धरना स्थल को रिक्त करवाने का आग्रह किया गया है। वर्तमान में इस कार्यालय द्वारा धरना प्रदर्शन के लिए किसी को अनुमति नहीं दिया गया है। अतः आदर्श आचार संहिता एवं धरना स्थल में निर्माण एवं सुधार कार्य करने को लेकर निर्देशित किया जाता है कि आपके एवं आपके संघ द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन को आज ही समाप्त कर तत्काल धरना स्थल को रिक्त करना सुनिश्चित करें।

तानाशाही आदेश का पालन नहीं करेंगे : कंप्यूटर ऑपरेटर संघ

ऋषिकांत मोहरे अध्यक्ष समर्थन मूल्य धान ख़रीदी कंप्यूटर ऑपरेटर संघ ने कहा, ये तानाशाही आदेश है। हम इसका पालन नहीं करेंगे। हमारा पिछले 31 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। जब तक हमारी मांग नहीं मानी जाती है हम हड़ताल जारी रखेंगे। इतना बड़ा परिसर है। रिपेयरिंग का काम आराम से किया जा सकता है। कही कोई दिक्क़त नहीं होगी। आदेश में बात आचार संहिता की है तो धरना स्थल पर कोई आचार संहिता नहीं है। जिस तरह से हमें जानकारी मिली है। आचार संहिता जहां चुनाव है वही है। रायपुर दक्षिण में उपचुनाव है और वहीं आचार संहिता लागू है।

धरना स्थल से नहीं हटेंगे : डीएड बीएड संघ

वहीं डीएड बीएड संघ के अध्यक्ष दाउद ख़ान ने कहा, प्रदेशभर के हज़ारों लाखों युवा 33 हज़ार शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है, लेकिन यह हड़ताल को ख़त्म करने के लिए एक साज़िश है। इसका हम विरोध करते हैं। हम धरना स्थल से नहीं हटेंगे या हमें धरना करने के लिए कोई दूसरी जगह दिया जाए। धरना ख़त्म नहीं करेंगे, लाइट बिजली, पानी, शौचालय और बाउंड्रीवाल की व्यवस्था करना है, जिसकी जगह अलग है। धरना से रिपेयरिंग करने में कोई दिक्क़त नहीं है। हमारे रहते रिपेयरिंग कार्य किया जा सकता है।

बीएड अभ्यर्थियों ने कहा, हम लोग पिछले दो साल से अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट का निर्णय है कि हमें नौकरी दी जाए, लेकिन अभी तक कोई फ़ैसला नहीं लिया गया है। कोर्ट के आदेश के पालन के लिए हम अनिश्चितकालीन हड़ताल में है। जब तक हमारी मांग नहीं मानी जाएगी हम नहीं हटेंगे। वाशरूम का ख़स्ता हाल है। उसको रिपेयरिंग करने में कोई दिक्क़त नहीं है। बैरिकेड टूटा हुआ है, सुधार कार्य हमारी उपस्थिति में किया जा सकता है।

व्यवस्था ठीक करने के लिए जारी किया है आदेश : कलेक्टर

रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने कहा, कोई भी चीज को ठीक करना है तो वहां खाली कराना पड़ेगा। जब प्रदर्शनकारी वहां से हटेंगे तभी वहां का काम किया जाएगा। आए दिन वहां की अव्यवस्था के बारे में ख़बरें प्रकाशित हो रही। व्यवस्था को ठीक करने के लिए आदेश जारी किया गया है। बात आदर्श आचार संहिता की नहीं है, आचार संहिता लागू है।

लोहारीडीह घटना: कांग्रेस का कवर्धा में 21 को बड़ा प्रदर्शन

रायपुर। लोहारीडीह घटना के विरोध में कांग्रेस 21 अक्टूबर को कवर्धा में बड़ा प्रदर्शन करने जा रही, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। दीपक बैज ने लोहारीडीह की घटना को पुलिस और सरकार की विफलता करार देते हुए इसके विरोध में कवर्धा में बड़ा प्रदर्शन करने की बात कही।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने गृह विभाग की बैठक को लेकर कहा कि मुख्यमंत्री ये कोशिश कर रहे हैं कि क़ानून व्यवस्था ठीक हो जाए, लेकिन सरकार से कानून व्यवस्था दूर हो चुकी है, बैठक लेने बाद कानून व्यवस्था में क्या सुधार आया। आम नागरिक की न जान सुरक्षित है न जेब।

बीजेपी के पोस्टर वार को लेकर दीपक बैज ने कहा कि सरकार अपनी नाकामी छुपाने, बीजेपी नेता और उनके गुंडों को बचाने के लिए के लिए पोस्टरें जारी कर रही है। इस तरह के पोस्टर वार करने से सरकार की असफलता नहीं छिपेगी।

वहीं 14 नवंबर से धान खरीदी पर बैज ने कहा कि क्या सरकार की नीयत में खोंट है? फसल कट चुकी है। 1 नवंबर से किसान धान बेचना चाह रहे हैं, लेकिन सरकार निर्णय नहीं ले रही है। आखिर सरकार चाहती क्या है।

वहीं धान खरीदी के मूल्य को लेकर उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस ने 2640 रुपए में धान खरीदी की थी। बीजेपी सरकार ने 3100 रुपए में धान खरीदी करने का निर्णय लिया था। केंद्र ने 117 रुपए और बढ़ाए हैं, तो क्या सरकार 3217 रुपए में धान खरीदी करेगी? इसके साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की कि किसानों को हमारी सरकार की बची हुई चौथी किश्त जारी करें।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव निर्वाचन आयोग ने जारी की अधिसूचना

■ **25 अक्टूबर तक दाखिल कर सकेंगे नामांकन पत्र**

रायपुर। जिला निर्वाचन आयोग ने आज शुक्रवार को रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के लिये अधिसूचना जारी कर दी है। अब रायपुर दक्षिण क्षेत्र के विधानसभा सदस्य के निर्वाचन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशी 25 अक्टूबर तक अपना नामांकन फॉर्म जमा कर सकते हैं। अधिसूचना हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी की गई है। रिटर्निंग ऑफिसर और सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स के कार्यालयों के सूचना पटल पर सार्वजनिक कर दी गई है। दूसरी ओर आज से ही निर्वाचन लड़ने के प्रत्याशियों का नामांकन भी शुरू हो गया है।

प्रत्याशी रिटर्निंग ऑफिसर या सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष नामांकन फॉर्म जमा कर सकेंगे। प्रत्याशी सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक कलेक्टोरेट के कक्ष क्रमांक 9 में जमा कर सकते हैं। शासकीय अवकाश के दिनों में नामांकन नहीं लिया जाएगा। प्रत्याशी स्वयं या उसके किसी प्रस्तावक की ओर से निर्वाचन के लिए नामांकन जमा करा सकते हैं। नामांकन पत्र प्रारूप भी कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक एक से ही प्राप्त कर सकते हैं।

रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय से जारी अधिसूचना के मुताबिक, 25 अक्टूबर तक निर्धारित समय में प्राप्त नामांकन पत्रों की स्क्रूटनिंग 28 अक्टूबर को की जाएगी। अभ्यर्थी स्वयं या अपने किसी प्रस्तावक या लिखित पत्र द्वारा घोषित अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से लिखित सूचना पर अपना नाम वापस ले सकेंगे।

नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और समय दोपहर 3 बजे तक तय किया गया है। अंतिम रूप से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी की सूची भी इसी दिन जारी होगी। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा सदस्य के उप निर्वाचन के लिए मतदान बुधवार 13 नवंबर होगा। 23 नवंबर को रिजल्ट जारी किया जायेगा।

आधारभूत सुविधाओं का तेजी से हो रहा विकास : राजस्व मंत्री

■ **बालौदाबाज़ार नगर पालिका में 34 विकास कार्यो के लिए 2 करोड़ 21 लाख रुपए जारी**

रायपुर। विष्णु के सुशासन में राज्य में विकास की बयार बह रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नही जहाँ पर आमजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य न किया जा रहा हो। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के प्रयास से बलौदाबाजार विधानसभा के बलौदाबाजार नगर पालिका में अधोसंरचना के 34 विभिन्न विकास कार्यो हेतु 2 करोड़ 21 लाख 23 हज़ार रुपए की स्वीकृति नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार आमजनों आधारभूत जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यो के लिए प्रतिबद्ध है।

बालौदाबाज़ार नगर पालिका में वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद अंतर्गत जिन विभिन्न विकास कार्यों हेतु राशि की घोषणा की गई है उसमें वार्ड क्र.1 पाटकर ठेला से ज्योति चांवला के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 4 लाख 61 हज़ार रुपए, सोनपुरी रोड मेन नाली में स्लैब निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 68 हज़ार रुपए और हेतराम मनहरे के घर से पटेल इलेक्ट्रिकल्स तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 7 लाख 13 हज़ार रुपए शामिल है। इसी तरह वार्ड क्र.2 कलेक्ट्रेट बंगला के सामने दुर्गा मंदिर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य के लिए 7 लाख रुपए,पुलिस कॉलोनी में आर.सी.सी. नाली कव्हर निर्माण कार्य के लिए 1लाख 47 हज़ार रुपए, जिला अस्पताल से केन रोड तक नाली कव्हर निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 57 हज़ार रुपए,मेन

रोड से नम्रता चौबे घर होते हुए सत्यम यादव घर तक आर.सी.सी. नाली कव्हर निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 75 हज़ार रुपए की स्वकृति दी गई है।

वार्ड क्र.3 संतोषी मंदिर से लाल डेयरी के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 91 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.4 एस.पी.ध्रुव के घर से पी.सी. बंजारे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 22 हज़ार रुपए और हेतराम आचले के घर से दिलीप कुमार खुटे के घर तक सी.सी. रोड एवं आर.सी. सी.नाली निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 63 हज़ार रुपए, वार्ड क्र.5 आरोग्य ब्लड बैंक से नरोत्तम सोनी के घर होते हुए राजेश कुमार आजाद के घर से नरेश मिश्रा घर तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 12 लाख 10 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.6 गुरुघासीदास सामुदायिक भवन में फ्लोरिंग कार्य के लिए 3 लाख 68 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.6 सुविधा पान दुकान से किशोर बाजपेयी के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 4 लाख 69 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.6 सोलहा तालाब पार में सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 11 लाख 54 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.8 प्रभु पटेल के घर से मॉवली मंदिर के पीछे तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 8 लाख 02 हज़ार रुपए और रमाकांत पाण्डेय के घर से शत्रुहन पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 80 हज़ार रुपए,वार्ड क्र.9 मॉवली मंदिर गेट से ठाकुर देव चौक तक बी.टी. रोड कार्य के लिए 12 लाख 40 हज़ार रुपए की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह वार्ड क्र.10 दिलखुश ढाबा रायपुर रोड से जगदम्बा ग्लास तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 12 लाख 28 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 11 प्यारे पटेल के घर से ध्यानु गुप्ता के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 8 लाख 43 हज़ार रुपए और राजकुमार बंजारे के घर से रामरतन कुर्रे के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 16 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 12 अरविंद उद्यान से छोटू टण्डन के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 16 हज़ार रुपए और अरविंद उद्यान से छोटू टण्डन के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 84 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 13 एवं 14 गांधी चौक सौन्दर्यीकरण कार्य के लिए 9 लाख 90 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 14 निशांत शुक्ला के घर से चेतन मिल मेन रोड तक बी.टी. रिनिवल कार्य के लिए 5 लाख 23 हज़ार रुपए, निशांत शुक्ला के घर से शेखर शुक्ला बड़ी दुकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 81 हज़ार रुपए और महमूद अली के घर से संतू धोबी, मुन्ना गुप्ता से राम मंदिर तक, मेन रोड से अनादि मिश्रा घर होते हुए महराम दुकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 6 लाख19 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 16 आजाद चौक से गौरीशंकर डोंगरे घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 4 लाख13 हज़ार रुपए और खेदू यादव के घर से सुमीत यादव के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 76 हज़ार रुपए,वार्ड क्र. 17 लक्ष्मी नगर शुक्ला घर से बब्बन वर्मा के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य के लिए 4 लाख 20 हज़ार रुपए के विकास कार्य स्वीकृत किये गए है।

10 करोड़ का सोना पकड़ाया

रायपुर। राजधानी के भाटागांव बस स्टैंड में तीन लोगों से करीब 10 करोड़ का सोना बरामद हुआ है। चालू त्यौहारी सीजन में रायपुर पुलिस ने दूसरी बार सराफा से जुड़े मामलों पर कार्रवाई की है। मौदहापारा के बाद शुक्रवार को टिकरापारा थाना क्षेत्र में करोड़ों रुपए की सोने की बरामदगी की खबर मिली है। पुलिस के आला अफसर थाने के भीतर जांच कर रहे हैं। आईटी की टीम भी मौजूद है। फिलहाल पुलिस ने खुलासा नहीं किया है। बताया गया है कि यह पूरा सोना गहनों और बिस्किट के रूप में मिला है। इसकी कीमत 10 करोड़ रूपए बताई जा रही है। यह सोना जगदलपुर से आ रही बस में सवार तीन व्यक्ति लेकर आ रहे थे। ये तीनों राजधानी के ही बताए गए हैं। यह सोना अलग-अलग पर्स में छिपाकर ला रहे थे। इनके बिल बिल्टी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस सूत्रों ने सोने का कुल वजन 13 किलो बताया है। इनमें सोने के कितने बिस्किट हैं पुलिस ने संख्या नहीं बताई। मुखबीर की सूचना पर सवेरे 8 बजे पुलिस ने नाकेबंदी कर बस को घेरा, और इन तीनों को पकड़कर सोना बरामद किया। जिस जगह पर पुलिस ने बस को घेरा वह इलाका रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में आता है। जहां इन दिनों उपचुनाव की आचार संहिता लगी हुई है। इतनी बड़ी मात्रा में सोना आने की खबर पर पुलिस ने आयकर विभाग को सूचित कर इनकम टैक्स इनवेस्टिगेशन विंग को को भी जांच के लिए बुला लिया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बालोद (छ.ग.) कोड नं. 74
TELE: 07749-299073* E-MAIL: wrd.division.balod@gmail.com

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्र. 04/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 31.07.2024 सिस्टम निविदा क्रमांक 156764, जी-242501539/1, 2, 3 को प्रथम आमंत्रण की निविदा आमंत्रित की गई थी जिसमें केवल एक ही निविदाकार को योग्य पाये जाने के कारण एकल निविदा तथा प्रतिस्पर्धा का अभाव परिलक्षित होने की स्थिति में प्रथम निविदा निरस्त की जाती है।

जी-242503243/8

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन सभाग, बालोद (छ.ग.)

एम्स रायपुर में डॉक्टर ने मरीज से की मारपीट

रायपुर। एम्स रायपुर में एक डॉक्टर द्वारा मरीज से मारपीट करने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला बढ़ता देख एम्स प्रशासन हरकत में आया और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। घटना प्लास्टिक सर्जरी विभाग की बताई जा रही है, जहां एक मरीज के सीने की दाहिने हिस्से का ऑपरेशन हुआ था, ऑपरेशन के बाद उसने सिरदर्द की शिकायत की थी। इसपर जब उसने डॉक्टर से सवाल पूछा तो डॉक्टर भड़क गया और मरीज के साथ मारपीट कर दी।

मरीज बिलासपुर निवासी है और उसका ऑपरेशन हुआ था। उसने बताया कि सुबह हुए ऑपरेशन के बाद जब उसे रात 9:30 होश आया तो उसके सर में दर्द हो रहा था। उसने बताया कि सीने

के राइट साइड ऑपरेशन हुआ और लेफ्ट साइड सिर में दर्द दे रहा था। मरीज ने अपनी पत्नी को इसकी जानकारी दी। पत्नी ने जब देखा तो सिर सुजा हुआ था, जैसे कोई मारा हो। इस दौरान ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम नहीं बता पाएंगे। ऑपरेशन थियेटर में जो डॉक्टर है वो बता पाएंगे। उसके बाद मरीज डॉक्टर का इंतजार करता रहा। डॉक्टर रात लगभग 11 बजे आए तो उनसे मरीज ने पूछा 'सर दर्द' कर रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे कोई मारा है या खींचा है तो डॉक्टर ने कहा तुम्हारे कहने का मतलब क्या है ऑपरेशन थियेटर हमें तुमको मार रहे थे। यह कहते हुए डॉक्टर ने मरीज को दो थप्पड़ जड़ दिया और पत्नी को भी धक्का दिया। हॉस्पिटल का स्टाफ भी डॉक्टर का सपोर्ट कर रहा है। और पुलिस को भी यह कह कर बुला दिया गया की भाग रहे थे।

मरीज बिलासपुर निवासी है और प्लास्टिक सर्जरी विभाग में भर्ती है। वीडियो वायरल होने के बाद एम्स अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। रायपुर एम्स के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदाल ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। एम्स के मेडिकल सुपरिटेंडेंट को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है, और जल्द ही रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सुकमा, छ.ग.
(जिला, जल एवं स्वच्छता मिशन, जिला- सुकमा)

"ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना"

नि. क्र. 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 / नि.प्र./ जे जे एम/डी.डब्ल्यू.एस.एम. / लो.स्वा.यां.ख. / सुकमा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से जल जीवन मिशन के तहत शेड्यूल अनुसार 150 मि.मि. व्यास, 120 मीटर गहरा नलकुप खनन कार्य हेतु प्रपत्र 'ए' में ऑनलाईन Online निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	निविदा क्र / सिस्टम क्रमांक	लागत (लाख में)	ग्राम/विकासखण्ड/ रिमार्क
1	13/159877	20.80	एतराजपाड़/कोण्टा / तृतीय निविदा
2	14/159892	44.12	गोन्दपल्ली/कोण्टा / तृतीय निविदा
3	15/159893	54.90	तोंगगुड़ा/कोण्टा / तृतीय निविदा
4	16/159894	19.34.	चिरमुर, नीलावाया/सुकमा / तृतीय निविदा
5	17/159895	2.52	रामाराम-2/सुकमा / तृतीय निविदा
6	18/159261	30.69	हमीरगढ़/छिन्दगढ़ / तृतीय निविदा
7	19/159262	36.32	किन्दरवाड़ा/छिन्दगढ़ / तृतीय निविदा
8	20/159968	27.02	यलंगनार/छिन्दगढ़ / तृतीय निविदा

नोटः- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर दर्शित एवं डाउनलोड की जा सकती है। निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि 26.10.2024 तक है।

जी-242503274/5

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सुकमा

जम्मू और कश्मीर की नयी सरकार से उम्मीदें

कुणाल किशोर

क्या उमर अब्दुल्ला की नयी सरकार जम्मू और कश्मीर के लिए संभावनाओं के नये द्वार खोल पायेगी, जिसका इस प्रदेश को लंबे समय से इंतजार है? वर्ष 2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव और इस चुनाव के बीच प्रदेश का संवैधानिक और राजनैतिक परिदृश्य बदल गया है। इसे विशेष दर्जा देने वाला संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त हो चुका है, अब जम्मू और कश्मीर बस एक केंद्र शासित प्रदेश रह गया है। केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में लेफ्टिनेंट गवर्नर को विशेष अधिकार हासिल है। नये परिसीमन के बाद जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी का आंतरिक राजनैतिक संतुलन बदल चुका है। अब जम्मू का वजन कश्मीर के बराबर हो गया है। लद्दाख अब एक अलग केंद्र प्रशासित प्रदेश बन चुका है, अपनी अलग लड़ाई लड़ रहा है। उधर पाकिस्तान अपनी परेशानियों में उलझा है। कश्मीर के प्रश्न पर पाकिस्तान का साथ देने वाली ताकतें चीन की चिंता में पड़ी हैं। इस लिहाज से यह पिछले छह वर्ष से चले आ रहे राजनीतिक गतिरोध को सुलझाने का एक बड़ा अवसर है। जम्मू और कश्मीर में हाल ही में संपन्न हुए चुनावों की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए, उसमें कश्मीर घाटी समेत सभी इलाकों की जनता की अच्छी भागीदारी हुई और छह वर्ष के बाद प्रदेश में लोकतांत्रिक सरकार की बहाली हुई। चुनाव में जनता ने केंद्र की सत्तारूढ़ बीजेपी और राज्य में नयी सरकार संभालने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन दोनों को सबक सिखाया है। बीजेपी की रणनीति यह थी कि जम्मू क्षेत्र में वह एकतरफा जीत हासिल कर ले, जहां सीटों की संख्या बढ़ गयी है। उधर कश्मीर घाटी में वोटों और सीटों का बंटवारा हो जाए, और काफी सीटें उन दलों को मिल जायें जो बीजेपी का साथ दे सकती हैं। ऐसे में बीजेपी पहली बार अपने नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर में सरकार बना पायेगी। यह योजना सफल नहीं हुई। जम्मू के हिंदू इलाके में तो बीजेपी को एकतरफा सफलता मिली, पर पहाड़ी और कबायली इलाके में वैसी सफलता नहीं मिली। उधर कश्मीर घाटी में बीजेपी को अधिकांश सीटों पर उम्मीदवार नहीं मिले, जहां उम्मीदवार मिले उन्हें वोट नहीं मिले। महबूबा मुफ्ती, राशिद इंजीनियर और सज्जाद लोन सरीखे, जिस-जिस पर बीजेपी की बी टीम होने की तोहमत लगी, उन संभावित सहयोगियों को कश्मीर घाटी की जनता ने खारिज कर दिया। सबक यह है कि सुरक्षा बलों के सहारे जनता को डराया जा सकता है, उनका दिल नहीं जीता जा सकता। चुनाव जीतने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन के लिए भी जनता के सबक हैं। बेशक कश्मीर घाटी ने पूरी तरह नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन दिया है, परंतु चार महीने पहले इसी कश्मीर घाटी में बारामूला संसदीय क्षेत्र की जनता ने खुद उमर अब्दुल्ला को चुनाव में पटकनी दी थी और जेल में बंद राशिद इंजीनियर को पसंद किया था। इस चार महीने में कश्मीर घाटी की जनता का मन नहीं बदला है, बस उनकी उम्मीद का बोझ एक बार फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस के कंधों पर आ गया है। सीएसडीएस-लोकनीति का सर्वेक्षण दिखाता है कि जनता की असल चिंता बेरोजगारी, मंहगाई और विकास है। इन उम्मीदों को पूरा करना आसान नहीं होगा। यह चुनौती और भी बढ़ जाती है क्योंकि जम्मू क्षेत्र के हिंदू मतदाताओं में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन, खासतौर पर कांग्रेस बिल्कुल असफल हो गयी। नयी सरकार के सामने यह चुनौती रहेगी कि वह अल्पसंख्यक हिंदुओं का विश्वास जीते। नयी सरकार की पहली चुनौती जम्मू और कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा हासिल करना होगी। इसे केंद्र सरकार और संसद ही कर सकती है।

कांग्रेस का मुस्लिम प्रेम हकीकत कम चुनावी ज्यादा

योगेंद्र योगी

केंद्र और ज्यादातर राज्यों से चुनाव हार कर सत्ता से बाहर हुई कांग्रेस ने इतिहास से सबक नहीं लेने की ठान ली है। यही वजह है कि कांग्रेस का अभी तक अल्पसंख्यक मोह खत्म नहीं हुआ है। अल्पसंख्यकों के गैरकानूनी कामों में भी कांग्रेस उनका बचाव करती नजर आती रही है। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस ही अकेली नहीं है, बल्कि दूसरे राजनीतिक दल भी वोट बैंक की राजनीतिक के कारण मुस्लिमों के अपराधों को माफ करने के पक्ष में रहे हैं। बेशक अपराध आतंकवाद से जुड़े हुए ही क्यों ना हो। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने दंगा करने, थाने पर हमला करने, आगजनी और तोडफ़ोड़ जैसे गंभीर आरोपों में शामिल मुस्लिम समुदाय के आरोपियों के खिलाफ मामला वापस लेकर कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रेम को उजागर किया है। लगातार हारने के बाद भी कांग्रेस को डूबती नैया का सहारा मुसलमान वोट बैंक ही नजर आता है। यह बात दीगर है कि इस वोट बैंक के दावेदार कई राजनीतिक दल हैं। कांग्रेस की इन्हीं हरकतों की वजह से भाजपा देश में हिन्दू-मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण करने में कामयाब रही है।

कर्नाटक सरकार ने कैबिनेट मीटिंग के बाद 43 केसों को रद्द करने का फैसला लिया। इसमें एक मामला हुबली पुलिस स्टेशन में तोडफ़ोड़ से जुड़ा हुआ है। 16 अप्रैल, 2022 को हुबली में सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट लिखने वाले युवक को पुलिस गिरफ्तार कर स्टेशन लेकर आई, कुछ देर में वहां मुस्लिम समाज की भीड़ जमा हो गई और आरोपी को भीड़ को सौंपने की मांग को लेकर हंगामा हुआ, जिसके बाद हिंसा हुई थी। पुलिस स्टेशन और वाहनों को नुकसान पहुंचाया था, साथ ही आसपास की दुकानों में तोडफ़ोड़ की गई। इस हिंसा में 4 पुलिसकर्मी घायल भी हुए थे। एआइएमआइएम के नेता आरिफ और 138 अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा और अन्य गंभीर आरोप लगाए गए थे। मुस्लिम वोट

बैंक के लिए कांग्रेस ने पहली बार ऐसा नहीं किया। जब भी देश के संविधान और कानून को समानता से लागू करने की बात होती है, कांग्रेस हमेशा से मुसलमानों का दूसरे चश्में से देखती रही है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने का कांग्रेस ने जमकर विरोध किया। यह जानते हुए भी कि विशेष राज्य और कानून की आड़ में इस केंद्रशासित प्रदेश में आतंकी वारदातें कर रहे है। इन पाक परस्त आतंकियों को बचाने के लिए भाड़े के पत्थरबाज सुरक्षा कवच का काम कर रहे हैं। इस विशेष प्रावधान के हटने के बाद पत्थरबाजी की घटनाएं बंद हो गई। साथ ही सुरक्षा बल और पुलिस काफी हद तक आतंकियों की नकेल कसने में कामयाब रहे। यह मुद्दा देश की एकता-अखंडता से जुड़ा होने के बावजूद कांग्रेस ने इसे हटाने पर कायम नेशनल कांफ्रेंस के साथ महज मुस्लिम वोट बैंक की खातिर चुनावी गठबंधन किया।

इसी तरह अवैध रूप से रह रहे रोहिग्यां शरणार्थियों के मुद्दे पर कांग्रेस ने सहानुभूति का रुख रखा। भारत में कुल 40 हज़ार रोहिंग्या शरणार्थी रह रहे हैं। इनमें से ज्यादातर के पास संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त का रिफ्यूजी कार्ड तक नहीं है। अक्टूबर 2018 में भारत सरकार ने सात रोहिंग्या शरणार्थियों को म्यांमार वापस भेजा था। इन्हें साल 2012 में गैरकानूनी तरीक़े से सीमा पार करके भारत आने के आरोप में फ़ॉरनर्स एक्ट क़ानून के तहत गिरफ़्तार किया गया था। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने अपनी सीधी राय कभी नहीं बनाई। कांग्रेस ना अल्पसंख्यकों को नाराज़ करना चाहती है और ना ही बहुसंख्यक समाज के सामने विलेन बनना चाहती है। इसलिए इस मुद्दे पर वह सरकार को कटघरे में खड़ा कर पीछा छुड़ाने का प्रयास किया। कांग्रेस का कहना था कि आखिर यह कैसे हो सकता है कि, एक तरफ आप मानवीयता के आधार पर रोहिंग्या मुस्लिमों को मदद भेजें और दूसरी तरफ उनको देशविरोधी गतिविधियों में शामिल बताएं, सरकार किसी एक नीति पर आगे नहीं बढ़ रही है।

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस का वोट बैंक की खातिर मुस्लिम प्रेम नया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी राजीव गांधी की ही सरकार थी जिसने शाहबानो केस में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाबजूद उस पर कानून नहीं बनाया। इस पर मौजूदा भाजपा की केंद्र सरकार ने कानून बनाया। तीन तलाक के मुद्दे पर भी कांग्रेस का यही आलम रहा। कांग्रेस ने केंद्र में सत्ता में रहते हुए इस मुद्दे पर कानून नहीं बनाया। शाहबानो ने अदालत से न्याय की मांग की थी कि तीन तलाक के बाद तलाकशुदा महिला की देखरेख की जिम्मेदारी उसके पति की होती है। पांच जजो की संविधान पीठ ने 23 अप्रैल 1985 को मुस्लिम पर्सनल लॉ बॉर्ड के आदेश के खिलाफ जाते हुए शाहबानो के पति को आदेश दिया कि वो अपने बच्चों को गुजारा भत्ता दे। मुस्लिम कट्टरपंथियों के विरोध के आगे राजीव गांधी सरकार ने घुटने टेक दिए थे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। केंद्र की भाजपा सरकार ने सरकार ने तीन तलाक को प्रतिबंधित करते हुए संसद में वर्ष 2019 में नया कानून बना दिया। इस विधेयक में मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से संरक्षण देने के साथ ऐसे मामलों में दंड का भी प्रावधान किया गया है। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं के हितों से जुड़े इस कानून का कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने जमकर विरोध किया। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में तीन तलाक को वापस करने का वायदा किया। इसी दोहरी नीति के कारण भाजपा कांग्रेस पर हमलावर रही है। कांग्रेस की मुस्लिम परस्त नीतियों के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगाए। राजस्थान के बांसवाड़ा की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक मुसलमानों का बताया था।

आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस एक तरफ मुस्लिम की हितेषी बनती हैं, किन्तु हकीकत में मुसलमानों के विकास के लिए ऊंट के मुंह में जीरे के समान काम किया है। आजादी कांग्रेस ने देश में 50 साल से ज्यादा शासन किया है। इस अवधि में ज्यादातर राज्यों में भी कांग्रेस की सरकारें रही हैं। इसके बावजूद देश में साक्षरता की दर, मुस्लिम महिला सशक्तिकरण, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में कोई खास इजाफा नहीं हुआ। कांग्रेस का मुस्लिम प्रेम हकीकत कम चुनावी ज्यादा साबित हुआ है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

विनियोग का सीधा अर्थ है मन्त्र को बर्ताव में लाने का परिपूर्ण विधान । उसके प्रधानतया चार अङ्ग हैं (1) ऋषि (2) देवता (3) छन्द और (4) विशेष अनुष्ठान। अर्थात्- जिस मन्त्र को जिस ऋषि ने समाधि द्वारा प्राप्त करके प्रचारित किया हो नही व्यक्ति उस मन्त्र का ऋषि द्रष्टा कहा जाता है।

इस तरह प्रत्येक वेद के मन्त्र के साथ किसी मंत्र द्रष्टा ऋषि का नाम सम्बद्ध है। इसी प्रकार जिस मन्त्र में मुख्यत्वेन जिस देवता का लिङ्ग विद्यमान हो, अथवा उस मन्त्र में सर्वदेवमय परमात्मा की जिस दिव्य शक्ति विशेष का वर्णन हो वही शक्ति उस भन्त्र की देवता मानी जाती है। इस तरह प्रत्येक वेद-मन्त्र के साथ किसी न किसी विशिष्ट देवता का नाम भी निरन्तर सम्बद्ध रहता है।

छन्द का तात्पर्य संख्यात वर्णों या मात्राओं के आधार पर मंत्र के अक्षर परिमाण की इयत्ता स्थिर करना है। यह छन्द भी गायत्री अनुष्टुप् आदि नामों से विख्यात है और प्रत्येक मन्त्र के साथ उसकी अक्षर संख्या के अनुसार निर्धारित किये गये हैं।

यज्ञादि के समय अथवा अन्यान्य कर्मों में किस वस्तु को उठाने या रखने में किस मन्त्र का पढ़ना आवश्यक है यह रहस्य जानना ही मन्त्रानुष्ठान कहा जाता है। सो विनियोग का यह चौथा अङ्ग भी अत्यन्त उपयोगी और प्रत्येक मन्त्र से सम्बद्ध है ।

यहाँ यह कहना अनावश्यक न होगा कि उक्त चारों श्रङ्गों के परिज्ञांन का संक्षिप्त नाम विनियोग है। जब तक ये चारों बातें भली- प्रकार विदित न हो जाएं तब तक किसी भी मन्त्र का पढ़ना, पढ़ाना पाप माना जाता है। इसी प्रकार विनियोग-रहित मन्त्र द्वारा यज्ञादि कर्मों का करना और कराना भी प्रत्यवाय समझा जाता है। विनियोग ज्ञान के आवश्यकता विधायक निम्न-प्रमाण दर्शनीय हैं।

क्रमशः...

क्वांटम कम्प्यूटर की दिशा में आगे बढ़ता भारत

निरंकार सिंह

एक समय था, जब अमेरिका ने भारत को सुपर कम्प्यूटर की टेक्नोलॉजी देने से इंकार कर दिया था, लेकिन देश ने स्वदेशी तकनीक से न केवल सुपर कम्प्यूटर 'परम' बनाया बल्कि अब क्वांटम कम्प्यूटर बनाने की दहलीज पर है। देश में सुपर कम्प्यूटर के जनक, कम्प्यूटर वैज्ञानिक एवं पद्म भूषण डॉ। विजय पांडुरंग भटकर ने कहा कि पांच वर्ष में क्वांटम कम्प्यूटर बनाकर भारत सबको पीछे छोड़ सकता है, क्योंकि दुनिया में अभी इसके प्रोटोटाइप पर ही काम चल रहा है। यह मौजूदा कम्प्यूटर से कई हजार गुना शक्तिशाली होगा।

भारतीय वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक से परम रूद्र सहित तीन सुपर कम्प्यूटरों को बनाया है। इनसे ब्रह्मांड की उत्पत्ति, ब्लैकहोल, खगोल विज्ञान और मौसम के

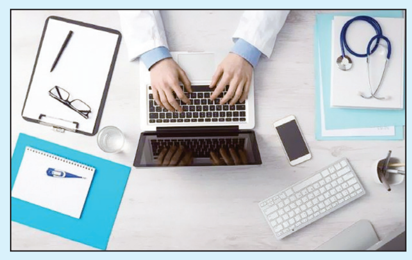

क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। यह भारत की तकनीकी प्रगति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे कई नई तकनीकों का विकास होगा और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते इन सुपर कम्प्यूटरों को देश को समर्पित किया है।

क्वांटम कम्प्यूटर ऐसी मशीनें हैं जो डेटा संग्रहीत करने और गणना करने के लिए क्वांटम भौतिकी के गुणों का उपयोग करती हैं। यह कुछ कार्यों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है जहां वे हमारे सबसे अच्छे सुपर कम्प्यूटर से भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। क्लासिकल कम्प्यूटर, जिसमें स्मार्टफोन और लैपटॉप शामिल हैं, बाइनरी 'बिट्स' में जानकारी को एनकोड करते हैं जो 0 या 1 हो सकते हैं। क्वांटम कम्प्यूटर में, मेमोरी की मूल इकाई क्वांटम बिट या क्यूबिट होती है।

क्यूबिट्स को भौतिक प्रणालियों का उपयोग करके बनाया जाता है, जैसे कि इलेक्ट्रॉन का स्पिन या फोटॉन का अभिविन्यास। ये प्रणालियां एक साथ कई अलग-अलग व्यवस्थाओं में हो सकती हैं, यह गुण क्वांटम सुपरपोजिशन के रूप में जाना जाता है। क्वांटम उलझाव नामक एक घटना का उपयोग करके क्यूबिट्स को एक साथ अटूट रूप से जोड़ा जा सकता है। इसका परिणाम यह होता है कि क्यूबिट्स की एक श्रृंखला एक साथ विभिन्न चीजों का प्रतिनिधित्व कर सकती है। उदाहरण के लिए, 0 से 255 के बीच किसी भी संख्या को दर्शाने के लिए एक क्लासिकल कम्प्यूटर के लिए आठ बिट्स पर्याप्त हैं।

लेकिन एक क्वांटम कम्प्यूटर के लिए 0 से 255 के बीच हर संख्या को एक साथ दर्शाने के लिए आठ क्यूबिट्स पर्याप्त हैं। ब्रह्मांड में जितने परमाणु हैं, उससे ज्यादा संख्या को दर्शाने के लिए कुछ सौ उलझे हुए क्यूबिट्स पर्याप्त होंगे। यहीं पर क्वांटम कम्प्यूटर क्लासिकल कम्प्यूटरों पर बढ़त हासिल करते हैं। ऐसी स्थितियों में जहां संभावित संयोजनों की संख्या बहुत ज्यादा हो, क्वांटम कम्प्यूटर उन पर एक साथ विचार कर सकते हैं। उदाहरणों में बहुत बड़ी संख्या के अभाज्य गुणनखंडों को खोजने की कोशिश करना या दो स्थानों के बीच सबसे अच्छा मार्ग खोजना शामिल है।

भारत-पाकिस्तान संबंधों में सुधार की आहट

डॉ धनंजय त्रिपाठी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की दो दिवसीय बैठक अनेक अर्थों में महत्वपूर्ण रही है। इसमें रूस, ईरान आदि जैसे समूह के कुछ सदस्यों पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की आलोचना की गयी है। बैठक में संगठन के देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाने पर भी सहमति बनी। यह भी कहा गया कि वैश्विक व्यापार के लिए जो अंतरराष्ट्रीय नियम हैं, उनका पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चीन की अगुवाई में चल रही बेल्ट-रोड परियोजना पर भी चर्चा हुई, जिसकी घोषणा पर भारत ने हस्ताक्षर नहीं किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत ने सम्मेलन में हुई वार्ताओं में सकारात्मक योगदान दिया है। उन्होंने भारतीय दृष्टि से आठ मुख्य बातों को रेखांकित किया है, जिनमें पूरी धरती के साझा भविष्य तथा मानवता को एक परिवार के रूप में देखने के विचार के आधार पर संवाद बढ़ाना शामिल है। एससीओ स्टार्टअप फोरम, पारंपरिक दवाओं को बढ़ावा देने जैसे भारतीय प्रयासों के परिणामों का सदस्यों ने स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समूह भारत के मिशन लाइफ से प्रेरणा ले रहा है। भारत ने डिजिटल समावेशीकरण, पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूती आदि अहम पहलुओं पर भी जोर दिया है।

बदलते और अनिश्चित भू-राजनीतिक परिदृश्य में चीन, भारत, रूस, ईरान और मध्य एशियाई गणराज्यों की यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि इसमें कुछ प्रमुख गैर-पश्चिमी शक्तियों ने भागीदारी की तथा वैश्विक महत्व के मुद्दों पर चर्चा हुई। चूंकि यह आयोजन इस्लामाबाद में हुआ और लगभग एक दशक के बाद भारत की ओर से किसी वरिष्ठ नेता का दौरा हुआ, तो स्वाभाविक रूप से दोनों देशों के आपसी संबंधों के लिहाज से भी यह अहम अवसर बन गया। हालांकि एससीओ की ही एक बैठक के सिलसिले में कुछ साल पहले पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री भारत आये थे, पर उस समय आपसी तनाव को दूर करने की कोशिश नहीं हो पायी थी।

इसी तनाव के कारण सार्क का शिखर सम्मेलन भी नहीं हो पा रहा है। जयशंकर की यात्रा से पहले यह आशा जतायी जा रही थी कि भले ही यह एससीओ बैठक है, पर भारत-पाकिस्तान संबंधों के मामले में भी कुछ सकारात्मक हो सकता है। भारतीय विदेश मंत्री की वहां अच्छी मेहमाननवाजी हुई और जयशंकर ने भी इसे रेखांकित करते हुए धन्यवाद दिया है। गोवा में हुई बैठक के विपरीत इस्लामाबाद में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने हाथ भी मिलाया और अनौपचारिक बातचीत भी की। डॉ जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एवं उप-प्रधानमंत्री इशाक डार के बीच हुई बातचीत के बारे में जो रिपोर्टों से पता चलता है, उसमें संबंध सुधारने के दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाने पर चर्चा हुई है।

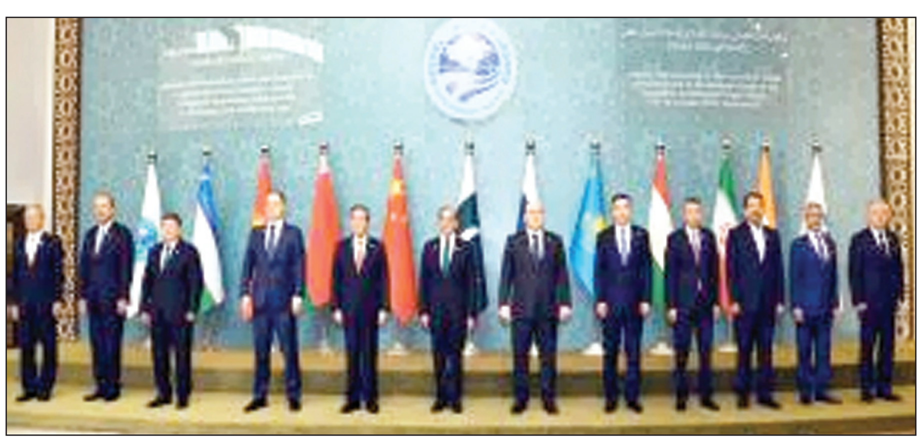

संभवतः क्रिकेट मैचों और व्यापार संबंधी कुछ मुद्दों पर बातचीत से इस प्रक्रिया को प्रारंभ करने के संकेत हैं। इससे उम्मीद बंधी है। पाकिस्तान में नयी सरकार और राजनीतिक स्थिति है। उसकी अर्थव्यवस्था के समक्ष अनेक मुश्किलें हैं। पाकिस्तान में ऐसी बातें पहले से कही जा रही हैं कि भारत से व्यापार से देश को फायदा ही होगा। लेकिन कोई बड़ी उम्मीद करने से अभी बचना भी चाहिए क्योंकि 2019 के बाद से जो हालात रहे हैं, उसमें सुधार के लिए लगातार कोशिश की जरूरत होगी।

संभवतः क्रिकेट मैचों और व्यापार संबंधी कुछ मुद्दों पर बातचीत से इस प्रक्रिया को प्रारंभ करने के संकेत हैं। इससे उम्मीद बंधी है। पाकिस्तान में नयी सरकार और राजनीतिक स्थिति है। उसकी अर्थव्यवस्था के समक्ष अनेक मुश्किलें हैं। पाकिस्तान में ऐसी बातें पहले से कही जा रही हैं कि भारत से व्यापार से देश को फायदा ही होगा। लेकिन कोई बड़ी उम्मीद करने से अभी बचना भी चाहिए क्योंकि 2019 के बाद से जो हालात रहे हैं, उसमें सुधार के लिए लगातार कोशिश की जरूरत होगी। पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि दोनों विदेश मंत्रियों की बातचीत से एक आधार तो बना ही है, जिस पर आगे काम किया जा सकता है।

कुछ विश्लेषकों ने उचित ही रेखांकित किया है कि भारत और पाकिस्तान में ऐसे तत्व भी मौजूद हैं, जो किसी प्रयास को पटरी से उतार सकते हैं। आतंकी और अलगाववादी समूह द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करते रहे हैं। यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए कि 2019 के बाद से दोनों देशों की ओर से कोई विशेष पहल नहीं हुई है। इससे द्विपक्षीय संबंध तो तनावपूर्ण हुए ही हैं, सार्क समेत अनेक क्षेत्रीय पहल भी ठंडी पड़ गयी हैं। अगर क्षेत्रीय स्तर पर प्रयासों को गति मिलती है, तब भी उसे इस यात्रा का सकारात्मक परिणाम माना जायेगा।

भारत और पाकिस्तान के संबंध के संदर्भ में एक बात हमेशा कही जाती है कि इस पर तीन कारकों का प्रभाव पड़ता है। एक तो सरकारों का समीकरण है और दूसरा आतंकी समूहों, राजनीतिक संगठनों जैसे नॉन-स्टेट एक्टर्स हैं। तीसरा कारक बाहरी असर का है, मसलन अमेरिका, चीन आदि। भारत और चीन के आर्थिक संबंध तो हैं, पर राजनीतिक रिश्ते खराब हैं। हम जब पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों का आकलन करते हैं, तो उसमें चीन के साथ उसके रणनीतिक संबंधों के आयाम का भी ध्यान रखते हैं।

यदि भविष्य में भारत-चीन संबंधों में बेहतरी आती है, तो उसका असर भारत और पाकिस्तान के आपसी रिश्तों पर भी जरूर पड़ेगा। विदेश मंत्री जयशंकर पहले भी कहते रहे हैं कि द्विपक्षीय संबंधों के बारे में जो पाकिस्तान का रवैया होगा, भारत की प्रतिक्रिया उसी के अनुरूप होगी। भारत में आतंक और अलगाववाद बढ़ाने में जो पाकिस्तान की भूमिका रही है, वह आपसी रिश्ते को सुधारने में बड़ी बाधा है। इस मसले पर पाकिस्तान को ऐसे कदम उठाने होंगे, जिससे भरोसा बढ़ाने में मदद मिले। इसके अलावा, दोनों देशों को छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत करनी चाहिए।

भारत और पाकिस्तान में क्रिकेट बेहद लोकप्रिय खेल है और जब भी इनका आपस में मुकाबला होता है, उस पर सभी का ध्यान होता है। यदि दोनों देशों की टीमों की आवाजाही हो और नियमित टूर्नामेंट हों, तो लोगों में उत्साह बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसी तरह व्यापारिक गतिविधियों को धीरे-धीरे बढ़ावा देना चाहिए। दोनों देशों के बीच कुछ अनौपचारिक कारोबार होता है, पर औपचारिक स्तर पर मामला बहुत खराब हो चुका है। पर्यटन बढ़ाने के लिए वीजा की संख्या में बढ़ोतरी की जा सकती है।

साल 2019 के बाद से दोनों देशों की जनता के मन में भी खटास बढ़ी है। इसे दूर करने में ये कोशिशें योगदान दे सकती हैं और उनके आधार पर भी आगे बेहतरी के अन्य उपाय किये जा सकते हैं। यह अच्छी बात है कि एससीओ बैठक के लिए बड़ी तादाद में भारतीय पत्रकारों को वीजा दिया गया। तो, ऐसे उपायों की दरकार है, जिनसे ठोस संपर्क भी स्थापित हो तथा लोगों में भी भरोसा बढ़े। जो तत्व रिश्तों के लिए खतरनाक हैं, पाकिस्तान को उन्हें नियंत्रित करने पर ध्यान देना चाहिए। इस उम्मीद को बेकार नहीं जाने दिया जाना चाहिए।

आज का इतिहास

1917 डलास लव फील्ड हवाई अड्डा पब्लिक के लिए खोला गया।
1920 स्वाध्याय परिवार के संस्थापक पाण्डुरंग शास्त्री अठालवे का महाराष्ट्र में जन्म हुआ।
1924 अब्दुल अजीज ने मक्का में पवित्र स्थानों की रक्षा की स्वयं घोषणा की।
1926 इंपीरियल सम्मेलन का आयोजन लंदन में किया गया
1943 रटगर्ज विवि के छात्र एल्बर्ट शात्ज ने तपेदिक के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा स्ट्रेप्टोमाइसिन विकसित की।
1943 स्ट्रेप्टोमाइसिन , पहले एंटीबायोटिक उपाय फोरब्यूटेरुलोसिस, को पहले रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा अलग किया गया था।
1947 फेडरल वर्क्स प्रशासक के अनुसार न्यूनतम 40 सेंट प्रति घंटे की मजदूरी पुरानी है और इसे 75 सेंट प्रति घंटे के हिसाब से सुधारा जाना चाहिए।
1956 रूस और जापान ने हस्ताक्षर कर दोनों देशों के बीच 1945 से चले आ रहे युद्ध को अधिकारिक रूप से समाप्त किया।
1960 अमेरिका ने क्यूबा को निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।
1986 मोजाम्बिक के राष्ट्रपति समोरा मचेल और 43 अन्य लोग मारे गए थे, उनके राष्ट्रपति का विमान दक्षिण अफ्रीका की सीमा के साथ लेबोम्बो पर्वत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।
1987 ईरान-इराक युद्ध-युनाइटेड स्टेट्स नेवी बलों ने कुवैती तेल टैंकर पर ईरानीमिसाइल हमले के जवाब में फारस की खाड़ी में दो ईरानी तेल प्लेटफार्मों को नष्ट कर दिया।
1988 सीनेट द्वारा अनुमोदित एक बिल उन विज्ञापनों की मात्रा को प्रतिबंधित करता है जो बच्चों के टीवी कार्यक्रमों के दौरान दिखाए जा सकते हैं।
1989 द ट्रबल्स-द गिल्डफोर्ड फोर ने अपने विश्वासों को गिनाया और 15 साल तक गिल्डफोर्डपब बम विस्फोटों में उनकी कथित संलिप्तता रही।
1993 बेनजीर भुट्टो दूसरी बार पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बनी।
2003 पोप जॉन पॉल द्वितीय ने मदर टेरेसा को धन्य घोषित किया। यह संत की उपाधि दिये जाने की दिशा में पहला कदम होता है।
2004 आयरिश सहायता कार्यकर्ता मार्गरेट हसन का अपहरण बगदाद में अपहरणकर्ताओं ने किया था, जिसने लगभग चार सप्ताह बाद उसकी हत्या कर दी थी।
2006 दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री बान की मून, जो संयुक्त राष्ट्र महासचिव भी हैं, ने आगाह किया है कि उत्तर कोरिया द्वारा आयोजित एक दूसरे परमाणु परीक्षण गंभीर परिणाम होंगे।
2007 यूरोपीय संघ के नेता पोलैंड, इटली और बुल्गारिया के लिए अंतिम मिनट की रियायतों के बाद लिस्बन संधि पर समझौता करते हैं।
2008 पूर्वी दिल्ली में एक पुल, जो दिल्ली मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए निर्माणाधीन था, 1 की मौत हो गई और कम से कम 9 घायल हो गए।

हिंदुओं के त्योहार पर ही क्यों फैलती हैं अराजकता और हिंसा?

संजय सक्सेना

यह हिन्दुस्तान का दुर्भाग्य है कि यहां की बहुसंख्यक आबादी को अपने तीज-त्योहार मनाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हिन्दुओं के द्वारा कोई भी धाार्मिक आयोजन किया जाता है उस पर मुस्लिम कट्टरपंथियों का साया पड़ जाता है। हिन्दू जब भी कावड़ यात्रा निकाले, माता का जागरण कराये, मूर्ति विसर्जन को जाये या इसी तरह के अन्य कोई आयोजन करे तो मुस्लिम कट्टरपंथी कहीं उस पर पथराव करने लगते हैं तो कहीं रास्ता रोक कर खड़े हो जाते हैं। उनके इस कृत्य का विरोध होता है तो यह लोग तलवारें भांजने लगते हैं। आगजनी और पेट्रोल बम तो आम बात हो गई है,लेकिन पेट्रोल बम फोड़ने वाले तब जरूर आहत हो जाते हैं जब उन्हें कहीं पटाखों की आवाज सुनाई पड़ जाती है।

हालात यह है कि हिन्दुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के घेरे के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं के देवी-देवताओं को कभी कला के तो कभी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित किया जाता है। न जाने क्यों पांच टाइम लाउडस्पीकर पर चीखने चिल्लाने वालों को हिन्दुओं के धार्मिक आयोजनों में बजने वाला डीजे बेचैन क्यों कर देता है। इसी तरह से होली के रंग-गुलाल भी एक वर्ग विशेष के चंद कट्टरपंथियों के चलते साम्प्रदायिक हो जाता है। ऐसा नहीं है कि यह कट्टरपंथी तभी भड़कते हों जब हिन्दुओं के द्वारा अपना कोई धार्मिक जुलूस आदि सड़क पर निकाला जाता हो,हद तो तब हो जाती है जब हिन्दुओं के लिये अपने घरों में पूजा करना भी लड़ाई-झगड़े की वजह बन जाता है। गरबा या दुर्गा पूजा के पंडालो तक में यह मुस्लिम चरमपंथी पहुंच कर माहौल खराब करने से नहीं हिचकते हैं। इतना हीं कई बार तो इन अराजक तत्वों को वोट बैंक की राजनीतिक करने वाले नेताओं और पार्टियों का राजनैतिक संरक्षण भी मिल जाता है। यदि ऐसा न होता तो बहराइच में बेरहमी से मारे गये रामगोपाल मिश्र की हत्या पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक्स पर वह कथित वीडियो नहीं पोस्ट करते जिसमें रामगोपाल मिश्रा एक मुस्लिम परिवार के घर से हरा झंडा उतार कर भगवा झंडा लगाते हुए दिखाई दे रहा है। अखिलेश इस वीडियों के सहारे रामगोपाल मिश्रा को ही कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, जबकि इसका कानूनी पहलू यह है कि यदि रामगोपाल मिश्रा ने हरा झंडा उतार कर वहां भगवा झंडा फहरा भी दिया था तो हत्यारों को उसका कत्ल करने की छूट नहीं मिल जाती है। रामगोपाल मिश्र को मारा ही नहीं गया,उसके साथ हत्यारों ने वहशीपन दिखाते हुए रामगोपाल के नाखून तक बेरहमी के साथ नोंच लिये थे।

ज्यादा पीछे न भी जाया जाये तो हाल फिलहाल में ही इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिन्दुओं को निशाना बनाया है। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला हुआ, जुलूस के रास्तों को लेकर भी विवाद हुआ। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल और असम तक पथराव और हिंसा हुई

है। यह हिंसा हिन्दुओं के त्योहार नवरात्र के साथ ही चालू हो गई थी। हावड़ा के श्यामगंज में 13 अक्टूबर, 2024 को एक मुस्लिम भीड़ ने हिन्दू पंडालों पर हमला किया। मुस्लिम भीड़ ने दुर्गा पूजा पंडालों को नष्ट करना चालू कर दिया। उन्होंने मूर्तियों को आग लगा दी और कई पंडालों को तबाह किया। यह मुस्लिम भीड़ उस घाट पर भी पहुँची जहाँ देवी मूर्तियों का विसर्जन होना था। यहाँ इस भीड़ ने पथराव किया।

बात विशेषकर उत्तर प्रदेश की कि जाये तो यहां के कौशांबी जिले में माँ दुर्गा के विसर्जन जुलूस पर हमला हुआ। इस हमले में जुलूस में शामिल महिला श्रद्धालुओं को भी निशाना बनाया गया। हमले के दौरान तलवारें लहराई गईं और पत्थरबाजी हुई। घटना में कई श्रद्धालुओं को चोटें आई। 12 अक्टूबर, 2024 को हुए इस हमले का आरोप मुस्लिम समुदाय के लगभग एक दर्जन लोगों पर लगा है जिसमें ख़ातूनें भी शामिल हैं। माँ दुर्गा की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश हुई। पुलिस ने केस दर्ज करके जाँच शुरू कर दी है। इसी तरह से बलरामपुर में दुर्गा पूजा के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पंडाल में घुसकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोपितों में कलीम, अरबाज़, इमरान और मुख़्तार शामिल थे, जिन्होंने महिला श्रद्धालुओं से अभद्रता की और पंडाल में लगे भगवा ध्वज को नोचकर नाली में फेंक दिया। महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला गोंडा के मसकनवा बाजार इलाके में 9 अक्टूबर, 2024 को दुर्गा पूजा पंडाल में मूर्ति स्थापित करने के बाद देवी की आँखों पर से पट्टी हटाई गई थी। इस मूर्ति की स्थापना बीते कई सालों से की जाती है। इस मौके पर यहाँ बड़ी संख्या में हिन्दू इकट्ठा थे।पूजा अर्चना के बाद कुछ हिन्दू बच्चे इस पंडाल के बाहर पटाखे फोड़ने लगे। पटाखों की आवाज सुन कर पास में रहने वाले मुस्लिम भड़क गए। मुस्लिम परिवार के लोग बाहर निकल कर हिन्दुओं को गालियाँ देने लगे और हमलावर हो गए। उन्होंने पहले हिन्दुओं पर पथराव किया और फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। उधर, कुशीनगर में एक और गंभीर घटना सामने आई, जब दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों ने मूर्ति पर पथराव किया। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए आरोपितों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। हिंदू समुदाय ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। अब बहराइच की हिंसा इसका नया उदाहरण है जहां मूर्ति विसर्जन के लिये जा रहे एक व्यक्ति को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। यह जानकारी उन्हीं घटनाओं की है, जो मीडिया में सामने आई हैं या जिनकी जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई। बढ़ते इस्लामी कट्टरपंथ को देखते हुए कहा जा सकता है कि कई घटनाएँ संभवत: बाकी शोर शराबे में दब गई होंगी।

कुल मिलाकर कट्टरपंथियों की जेहादी सोच के कारण पिछले कुछ वर्षों से शोभा यात्राओं या फिर प्रतिमा विसर्जन यात्राओं का शांतिपूर्ण माहौल में निकलना कठिन होता जा रहा है। इन धार्मिक यात्राओं पर पत्थरबाजी कई बार दंगों का रूप धारण कर लेती है, जैसा कि बहराइच में हुआ। यहां दुर्गा पूजा विसर्जन यात्रा पर घरों की छतों से पथराव हुआ। एक सतानती की हत्या कर दी गई और उसके बाद क्षेत्र में हिंसा भड़क उठी। प्रश्न यह है कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस कहां थी? पुलिस की अकर्मण्यता की वजह से ही दूसरे दिन युवक के अंतिम संस्कार को पहले फिर हिंसा भड़क उठी और उग्र लोगों ने कई घरों में तोड़फोड़ की और दुकानें जला दीं। यह ठीक है कि वरिष्ठ अधिकारियों के पहुंचने के बाद हिंसा पर काबू पर लिया गया, लेकिन अहम प्रश्न यह है कि क्या सद्भाव के मौहाल की वापसी हो सकेगी और उन तत्वों को सबक सिखाने वाली ठोस कार्रवाई हो सकेगी, जिनके कारण हिंसा का सिलसिला कायम हुआ?

सबसे दुखद यह है कि इस तरह की किसी भी घटना के बाद कुछ लोग सवाल खड़े करने लगते हैं कि अमुक क्षेत्र से यात्रा निकाली ही क्यो गई। किसी भी क्षेत्र को हिंदू-मुस्लिम क्षेत्र के रूप में परिभाषित करना क्या उचित है। दरअसल, हिंदू मुस्लिम क्षेत्र की बातें ही विभाजनकारी और शरारत भरा एजेंडा हैं। ऐसे एजेंडे आम तौर पर वोट बैंक की राजनीति के तहत चलाए जाते हैं। इस एजेंडे की काट के साथ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए किसी भी समुदाय के धार्मिक आयोजन हिंसक तत्वों को शिकार न बनने पाएं। राज्य सरकार को धार्मिक आयोजनों को निशाना बनाने वाले तत्वों के खिलाफ कड़े कदम उठाकर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए ताकि फिर बहराइच, कौशांबी और गोंडा जैसी घटनाएं न हों।ऐसी घटनाओं से माहौल तो खराब होता ही है सरकारी सम्पति को भी काफी नुकसान पहुंचता है।

बहरहाल, बहारइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल मिश्र की नृशंस हत्या पर विश्व हिंदू परिषद ने आक्रोश व्यक्त किया है। परिषद ने कहा कि पूरे देश में यह ट्रेंड चल पड़ है। कभी शोभायात्रा पर कभी, गरबा पंडाल में, कभी गणेश पूजन पर हमला हो रहा है। हर त्योहार तनाव से गुजर रहा है, जिसे हिंदू समाज स्वीकार नहीं करेगा।

अभी खराब रिश्तों की 20-20 खेलेंगे भारत-कनाडा

शशिधर पाठक

भारत अपने राष्ट्रीय हित और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकता। उसे कनाडा की जमीन से जारी भारत विरोधी गतिविधियां सहन नहीं हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने भारत के रूख को स्पष्ट करते हुए खराब रिश्ते का सारा दोष प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार पर मढ़ दिया। भारत की बेबसी भी बताई कि बार-बार अनुरोध के बाद भी भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त 26 लोगों के प्रत्यर्पण की मांग पर कनाडा ने कोई ध्यान नहीं दिया। गुरजीत सिंह, गुरविंदर सिंह जैसे लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 5 अपराधियों पर कार्रवाई की मांग को भी अनसुना कर दिया। इसकी दोषी ट्रूडो सरकार है। रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि भारत और कनाडा के रिश्ते दशकों पीछे की स्थिति में पहुंच गए हैं। साप्ताहिक प्रेसवार्ता में रणधीर जायसवाल ने यही संकेत दिया कि अभी दोनों देशों के बीच में इस तरह के खराब रिश्ते का दौर चलता रहेगा। इसके पीछे की एक वजह कनाडा में चुनाव और जस्टिन ट्रूडो सरकार की

राजनीतिक मंशा भी बताई। हालांकि जायसवाल यह स्पष्ट नहीं कर सके कि इस मुद्दे पर अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया समेत भारत के रणनीतिक साझीदार देश कनाडा का पक्ष क्यों ले रहे हैं? कनाडा में 17-18 लाख के करीब भारतीय हैं। चार लाख के करीब भारतीय छात्र हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत को भरोसा है, कनाडा सरकार भारतीयों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देगी। उन्होंने माना कि दोनों देशों के रिश्ते बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर आज भी विदेश मंत्रालय का जवाब दो टूक जवाब देने वाला रहा। रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि रिश्ते को कठिन दौर में लाने की वजह कनाडा का एकतरफा व्यवहार, आधारहीन आरोप, जस्टिन ट्रूडो सरकार का भारत के अनुरोध पर ध्यान न देना है। इसके लिए ट्रूडो सरकार दोषी है। मंत्रालय ने वीजा सहित अन्य सुविधाओं के बारे में कहा कि जहां तक संभव है, सभी प्रक्रियाएं चलती रहेंगी। लेकिन कनाडा के साथ संबंधों में यह तनाव दूर होने और रिश्तों को पटरी पर लाने का कोई रोडमैप नहीं दे पाए। समझा जा रहा है कि भारत अभी प्रतीक्षा करने की रणनीति पर चलेगा। कनाडा में चुनाव संपन्न होने और नई सरकार के गठन के बाद ही दोनों देशों के रिश्ते में कोई सुधार की संभावना बन सकेगी। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देश क्यों दे रहे हैं कनाडा का साथ? यह सवाल थोड़ा सा गंभीर है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन भारत के रणनीतिक साझीदार देशों में हैं। न्यूजीलैंड ने भी मुंह खोलना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने भारत से कनाडा की चिंता पर सहयोग करने के लिए कहा है। विदेश मंत्रालय ने इस पर अभी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत सहयोगी देशों और अधिकारियों के संपर्क में है। भारत ने अपने हितों और सुरक्षा के मुद्दे को गंभीर बताया है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि विमानों में बम की सूचना और धमकी की जानकारियों को भारत ने गंभीरता से लिया है। भारत का इस मामले में स्पष्ट कहना है कि वह अपनी सुरक्षा चिंताओं से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकता।

यूपी की नौ सीटों पर होगी योगी-अखिलेश की अग्निपरीक्षा

अजय कुमार

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड राज्य के लिये विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही यूपी में रिक्त पड़ी 10 सीटों में से 9 सीटों के लिये भी विधानसभा उपचुनाव का ऐलान कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने 13 नवंबर को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के साथ ही यूपी की नौ सीटों के लिये भी उप चुनाव कराये जाने की घोषणा की है। यूपी में कटेहरी, सीसामऊ, कुंदरकी, करहल, गाजियाबाद, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और खैर विधानसभा की नौ सीटों पर उपचुनाव होना है। एक सीट मिल्कीपुर में अभी चुनाव नहीं कराये जायेंगे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में होने वाले उपचुनाव के लिए 6 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर चुके हैं। वहीं भाजपा ने 9 सीटों को अपने पास रखा है और एक सीट रालोद को दी है। बीजेपी ने अपने प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं पर नाम की घोषणा अभी नहीं की है। वहीं मायावती ने भी उपचुनाव लड़ने का ऐलान किया है पर बसपा से अभी कोई प्रत्याशी मैदान में नहीं आया है।

यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें

रिक्त सीटों की बात की जाये तो करहल विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के असेंबली से इस्तीफा देने के कारण उपचुनाव हो रहा है। कन्नौज से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सपा अध्यक्ष ने संसद लौटने का फैसला लिया था। अखिलेश ने इस सीट पर रिश्ते में अपने भतीजे और लालू यादव के दामाद तेज प्रताप सिंह यादव को एसपी का उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने अभी पत्ता नहीं खोला है। उधर, प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट 2009 में आस्तित्व में आई। फूलपुर विधानसभा सीट पर

प्रवीण पटेल 2022 में जीते थे। फूलपुर से सपा के सिंबल पर मुस्तफा सिद्दीकी मैदान में हैं। बीजेपी ने अभी प्रत्याशी नहीं उतारा है। यहां 2 बार कुर्मी और एक बार मुस्लिम विधायक चुने गए हैं। वहीं मिर्जापुर की मझवा विधानसभा सीट बीजेपी के चुनाव चिन्ह पर लड़े निषाद पार्टी के विनोद बिंद के इस्तीफा की वजह से रिक्त हुई है। सपा ने पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी ज्योति बिंद को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने अभी इस सीट पर पत्ता नहीं खोला है। जबकि अंबेडकरनगर की कटेहरी सीट से लालजी वर्मा विधायक थे, जो अब अंबेडकरनगर के सांसद बन गए हैं। सपा ने कटेहरी से शोभावती वर्मा को यहां से टिकट दिया है। बीजेपी ने अभी ऐलान नहीं किया है।

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सबसे चर्चित सीटों में से एक है जहां से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने 47.99 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की थी। अवधेश प्रसाद अब सांसद हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद मिल्कीपुर सीट काफी चर्चा में है। सपा ने मिल्कीपुर से अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है। मिल्कीपुर सीट पर समाजवादी पार्टी चार बार तो बीजेपी दो बार चुनाव जीती है। वहीं कांग्रेस ने तीन बार जीत दर्ज की है। यहां पासी यादव ब्राह्मण तीन जातियां चुनाव में अहम भूमिका निभाती हैं। दिल्ली से सटी गाजियाबाद विधानसभा सीट पर भाजपा के अतुल गर्ग विधायक थे। वह अब सांसद हो गए हैं। इसके बाद यह सीट खाली हो गई। 2012 में यहां बसपा जीती थी और 2017 में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। पश्चिमी यूपी की मुरादाबाद की मीरापुर विधानसभा सीट पर रालोद तो कब्जा था। यहां चंदन चौहान विधायक थे। उनके सांसद चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई है। 2012 में बसपा तो 2017 में बीजेपी ने यहां जीत दर्ज की थी। यहां जाट और मुसलमानों का प्रभाव ज्यादा है। चुनाव आयोग ने मिल्की पुर सीट के लिए चुनाव की घोषणा नहीं की है। यहां के चुनाव बाद में कराये जायेंगे।

कानपुर नगर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर 2022 में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हाजी इरफान सोलंकी ने जीत हासिल की थी। यहां से सपा ने इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को उम्मीदवार बनाया है। सीसामऊ सीट पर सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी है। अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट भाजपा के विधायक अनूप प्रधान विधायक थे। अनूप सिंह लोकसभा चुनाव जीतकर संसद बन गए हैं। 2012 में या सेट रालोद ने और 2017 ने बीजेपी में जीती थी। इस सीट पर जातीय समीकरण की बात करें तो जाट, ब्राह्मण, दलित और मुसलमान का अच्छा प्रभाव दिखता है। संभल की कुंदरकी विधानसभा सीट पर जियाउल रहमान बर्क विधायक थे। वह संभल लोकसभा सीट से सांसद हो गए हैं। इसके बाद यह सीट खाली हो गई है। सपा इस सीट पर 2012-17 और 2022 में चुनाव में जीत दर्ज कर चुकी है। यह सीट बीजेपी के लिए चुनौती बनी हुई है।

किसान आंदोलन के नाम पर हुए बवाल का सच

नीरज कुमार दुबे

देश ने हाल के कुछ वर्षों में कई आंदोलन देखे। सबसे पहले जन लोकपाल के लिए आंदोलन हुआ। इस आंदोलन को मिले समर्थन के बलबूते अरविंद केजरीवाल सत्ता की सीढ़ियां चढ़ कर अपनी मंजिल पर पहुँच गये लेकिन दिल्ली में जन लोकपाल नहीं बनाया। देश ने दिल्ली में हरियाणा के कुछ पहलवानों का आंदोलन भी देखा। यह पहलवान राजनीति के अखाड़े में कूदने के लिए उसी खेल को नुकसान पहुँचाते रहे जिसकी बदौलत उन्होंने दौलत और शोहरत कमाई। देश ने किसान आंदोलन भी देखा। किसानों के कल्याण और उनके बेहतर भविष्य के लिए मोदी सरकार जो तीन कानून लेकर आई उसके बारे में भ्रम फैला कर देशभर में किसानों का आंदोलन खड़ा कर दिया गया जिसके चलते सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। खुद को किसान कहने वाले आंदोलनकारियों ने कानून व्यवस्था का भी खूब मजाक बनाया और सरकार को झुकाने का अभियान सफलतापूर्वक चलाकर दिखाया। मगर अब इस किसान आंदोलन का सच एक प्रमुख आंदोलनकारी ने ही देश के सामने रख दिया है।

हम आपको बता दें कि भारतीय किसान यूनियन के चढ़ूनी गुट के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया था। मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया था, लेकिन पार्टी ने सब कुछ वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर छोड़ दिया था। संयुक्त संघर्ष पार्टी के संस्थापक चढ़ूनी ने विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण यही बताया है। चढ़ूनी के बयान पर सियासत भी शुरू हो गयी है और भाजपा ने कांग्रेस से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण की मांग भी की है। जाहिर है कांग्रेस चढ़ूनी के बयान से किनारा ही करेगी लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों के नाम पर खड़ा किया गया आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक था और

इसका एकमात्र मकसद मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करना था। समय-समय पर इस आंदोलन से जुड़े तमाम सच सामने आते ही रहे हैं। टूलकिट गैंग के सदस्यों ने भोले भाले किसानों को बरगला कर अपने राजनीतिक हित तो साध लिये मगर अन्नदाता का नुकसान करवा दिया।

आम किसानों का कैसे अपने राजनीतिक हितों के लिए इन तथाकथित किसान नेताओं ने दुरुपयोग किया यह हमने लोकसभा चुनावों के दौरान भी देखा था। तीनों कृषि कानून काफी पहले ही यानि साल 2022 के अंत में ही वापस लिये जा चुके थे लेकिन उसके बावजूद 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान पंजाब में भाजपा के सभी उम्मीदवारों के घर के बाहर बड़ी संख्या में किसानों को धरने पर बैठा दिया गया था। पंजाब में चुनाव प्रचार की कवरेज के दौरान जब मैंने संगरूर, लुधियाना, अमृतसर, पटियाला आदि क्षेत्रों में धरने पर बैठे लोगों से पूछा कि आपकी मांगें क्या हैं तो सबका जवाब एक ही था कि सारी समस्याओं के हल तक हम यहां से नहीं हटेंगे। जब मैंने पूछा कि समस्याएं क्या हैं तो हर जगह से यही जवाब मिला कि स्कूल अच्छे बनने चाहिए, अस्पतालों में सारी सुविधाएं होनी चाहिए, सड़कें अच्छी बननी चाहिए। स्पष्ट था कि यह धरना प्रदर्शन भी एक टूलकिट का हिस्सा था। लोकसभा चुनावों के लिए मतदान होते ही यह प्रदर्शनकारी भाजपा उम्मीदवारों के घर के बाहर से हट गये। ऐसा लगा कि उनकी सारी समस्याओं का या तो समाधान हो गया है या टूलकिट के तहत दिया गया टास्क पूरा हो गया है।

वैसे जहां तक चढ़ूनी की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने हरियाणा में कुरुक्षेत्र की पेहोवा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। यहां जनता ने मात्र 1170 वोट देकर उनकी जमानत तक जब्त करा दी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि इन तथाकथित किसान नेताओं ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में भी किस्मत आजमाई थी। पंजाब की 31 में से 22 किसान यूनियनों ने संयुक्त समाज मोर्चा नामक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ा था और किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार भी घोषित किया था। लेकिन एक को छोड़कर इनके बाकी उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाये थे। अब हरियाणा में भी इस पार्टी का जो हश्र हुआ है उससे साफ है कि आम जनता और आम किसानों का समर्थन इन लोगों के पास कभी भी नहीं था। विदेशी इशारे पर और विदेशी पैसे के बलबूते भारत की छवि को खराब करने और सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का जो षड्यंत्र रचा गया था उसका सच सामने आ चुका है। यह समय है कि देश सतर्क हो जाये और गैर-राजनीतिक आंदोलनों की असली मंशा को पहचाने।

बहरहाल, चढ़ूनी के बयान पर हमलावर होते हुए भाजपा ने कहा है कि जिस किसान आंदोलन को सहज और स्वाभाविक बताया गया था, वह दरअसल कांग्रेस की ओर से 'प्रायोजित और पोषित' था। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि चढ़ूनीजी का जो वक्तव्य आया है, उसने एक बार फिर उजागर कर दिया है कि कांग्रेस की जमीन के अंदर क्या छुपा हुआ है। उन्होंने कहा है कि इससे एक बात बहुत साफ हो गई है कि जिस आंदोलन को सहज और स्वाभाविक आंदोलन कहा जा रहा था, वह कांग्रेस के द्वारा प्रायोजित और पोषित आंदोलन था।

केंद्र को लद्दाख की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए

विपिन पब्बी

मैग्सेसे पुरस्कार विजेता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के नेतृत्व में लद्दाखियों का एक समूह पिछले महीने लेह से सैंकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचा और केंद्र सरकार के नेताओं के सामने अपनी मांगें रखीं। किसी केंद्रीय नेता ने उनसे मुलाकात करने की बजाय उन्हें शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने से रोक दिया और उन्हें लद्दाख भवन में ही रहने को कहा गया, जहां वे अब भूख हड़ताल पर बैठे हैं। केंद्र सरकार का उनसे मिलने और उनकी मांगों को सुनने से इंकार करना हैरान करने और चौंकाने वाला है। यह उनकी मांगों पर कोई आश्वासन देने की बात नहीं है, बल्कि उनकी मांगों को सामने रखने के लिए बैठक के अनुरोध को अस्वीकार करने की बात है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या मन की बात के माध्यम से एकतरफा संवाद की मौजूदा सरकार की नीति के साथ, प्रतिनिधिमंडल से मिलने से किसी वरिष्ठ मंत्री के इंकार पर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं है। लेह-लद्दाख के निवासी आदिवासी क्षेत्रों को अतिक्रमण और शोषण से बचाने के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगों में लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करना, जो क्षेत्रीय स्वशासन संस्थाओं का प्रावधान करता है, स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों में आरक्षण और लेह तथा कारगिल क्षेत्रों के लिए एक-एक संसद सीट शामिल है। उनकी सबसे बड़ी चिंता जनसांख्यिकी में बदलाव और आदिवासी भूमि की सुरक्षा है। उन्हें आशंका है कि देश के अन्य हिस्सों से लोग उद्योग लगाएंगे, व्यापार स्थापित करेंगे, जमीन खरीदेंगे, बाहर से लोगों को लाएंगे जिससे जनसांख्यिकी परिवर्तन होगा और स्थानीय लोगों की नौकरियां जाएंगी। यह क्षेत्र, विशेष रूप से लेह और कारगिल, पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गए हैं, जिससे अति-पर्यटन की समस्या पैदा हो रही है। इससे होटल, गैस्ट हाऊस, होम स्टे, परिवहन और यात्रा सेवाओं सहित पर्यटन उद्योग में भी उछाल आया है। निवासियों की लंबे समय से स्वायत्त दर्जा दिए जाने की मांग रही है। 2019 तक यह जम्मू और कश्मीर राज्य का हिस्सा रहा, जब इसे एक अलग केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया, जबकि जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। लद्दाख के मामले में जम्मू और कश्मीर के मामले की तरह निर्वाचित विधानसभा का कोई प्रावधान नहीं था। इसमें एक स्वायत्त पर्वतीय क्षेत्र परिषद थी, लेकिन इसके सभी निर्णयों की पुष्टि केंद्र द्वारा की जाती है क्योंकि यह अब एक केंद्र शासित प्रदेश है। लद्दाख की 95 प्रतिशत आबादी आदिवासी है, जिनकी अपनी अलग जातीयता, संस्कृति और रीति-रिवाज हैं। लद्दाख के अधिकांश हिस्सों में बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म है, जबकि कारगिल और द्रास जैसे मुस्लिम आबादी वाले इलाके हैं। चीन और पाकिस्तान की सीमा से सटे इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को कम करके नहीं आंका जा सकता, भले ही उनकी कुल आबादी सिर्फ 3 लाख है। लद्दाखियों को सच्चे राष्ट्रवादी और हमारी रक्षा की पहली सीमा के रूप में जाना जाता है। आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए सोनम वांगचुक और उनके अनुयायियों की टोली बधाई की पात्र है। आम लोगों को असुविधा में डालने के बजाय, जैसा कि किसानों और डाक्टरों सहित विरोध प्रदर्शनों द्वारा आम तौर पर किया जाता है, वे भूख हड़ताल पर बैठकर और मार्च निकालकर खुद को पीड़ा पहुंचा रहे थे। कुछ महीने पहले उन्होंने लेह में माइनस 12 डिग्री तापमान में टैंट के नीचे रहकर लंबी रिले भूख हड़ताल की थी। इसके बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में एक असफल शांतिपूर्ण मार्च निकाला गया। जब सरकार और मीडिया के बड़े हिस्से ने उनके विरोध और मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया, तो उन्होंने अपने पैरों के नीचे छाले और खराब मौसम की स्थिति का सामना करते हुए लेह से दिल्ली तक मार्च करने का फैसला किया।

अनार के छिलके का चमत्कार देखकर आप भी हो जाएंगे दंग, काले दाग-धब्बे होगें दूर

आपके घर पर अनार आते हैं लेकिन उनके छिलके फेंक देते हैं तो ऐसा बिल्कुल न करें। अनार के छिलकों को फेंक नहीं, इसका इस्तेमाल स्किन केयर में कई तरीकों से किया जा सकता है। अनार के छिलके आपके चेहरे की चमक बढ़ाने के काम आते हैं। आइए कैसे इसका यूज करें। बिजी लाइफस्टाइल के चलते आजकल लोगों के पास अपने स्किन केयर के लिए भी टाइम नहीं है। ऐसे में हम सभी महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं और ब्यूटी सैलून से स्किन ट्रीटमेंट कराते है। स्किन ट्रीटमेंट के बाद त्वचा में निखार तो आता लेकिन केमिकल की वजह से कुछ दिन बाद त्वचा बेजान और रंगत खो देती है।कई बार तो चेहरे पर पिंपल्स निकलने लगते हैं। इससे बेहतर है घरेलू उपाय से स्किन को ग्लोइंग बनाना। वैसे तो अनार के दाने खाना सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसी के साथ इसके छिलकों को भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अनार के छिलके आपके चेहरे की चमक बढ़ाने के काम आते हैं। आइए कैसे इसका यूज करें।

अनार के छिलको का इस्तेमाल ऐसे करें

स्किन पर अनार के छिलकों को इस्तेमाल करने के लिए आप पहले अनार के छिलकों को लें और इसे अच्छी तरह से धो लें। इसे आप एक छन्नी में डालें और इसका सारा पानी पूरी तरह से निकल दें। इसके बाद छिलकों को एक सूती कपड़े पर फैलाएं और अच्छी तरह से सूखने के लिए रख दें। आप इसे धूप में सूखाएं। ये जब अच्छे से सूख जाए और एकदम कड़क हो जाए। इसके बाद आप इनको मिक्सर में डालकर पाउडर बना लें। अब इस पाउडर का यूज आप घरेलू रेमेडीज में कर सकते हैं।

इन तरीकों से अनार के छिलकों का प्रयोग करें

दही में मिलाएं

एक चम्मच पाउडर को डेढ चम्मच दही के साथ मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे अपने पर लगा लें। 10 मिनट लगा रहने के बाद इसे हाथों से गीला करें और फिर चेहरे की मसाज करते हुए हटा दें।

ओट्स के साथ इस्तेमाल करें

इतना ही नहीं, चेहरे को स्क्रब करने के लिए आप इसे ओट्स के साथ मिला सकते हैं। इसके लिए ओट्स पाउडर, अनार छिलके का पाउडर, शहद और दूध के साथ मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और स्क्रबिंग करें। डेड स्किन निकालने और दाग-धब्बे हटाने का ये अच्छा तरीका है।

गुलाब जल के साथ मिलाएं

फेस पैक बनाने के लिए अनार के छिलकों को गुलाब जल के साथ भी मिक्स करें।

स्किन केयर के ये 4 प्रोडक्ट त्वचा को कर देते हैं बर्बाद, आज से ही बंद कर दें इस्तेमाल

आजकल लगभग सभी लोग अपनी स्किन की इतनी ज्यादा फिक्र करते हैं कि बिना डॉक्टर की सलाह लिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करने लगते हैं, जो आपकी त्वचा को बर्बाद करने लगती हैं। फिर भले ही इन चीजों को अच्छा बताकर इस्तेमाल किया जाता है।

लेकिन डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर के इन प्रोडक्ट्स को यूज करने से मना करती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको स्किन के ऐसे 4 प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप स्किन की बेहतरी के लिए करते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा को सिर्फ नुकसान पहुंचाते हैं।

फुट स्क्रबर

कई महिलाएं डेड स्किन सेल्स और काली स्किन वाली एड़ी को साफ करने के लिए फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन यह आपकी एड़ियों की हालत ज्यादा खराब कर सकता है।

इसलिए बेहतर है कि आप गर्म पानी में पैरों को भिगोकर सॉफ्ट तौलिए से पोछ लें। फिर पैरों में फुट क्रीम लगाएं। फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करने से आपकी एड़ियां ज्यादा फट सकती हैं।

लूसा

अधिकतर घरों के बाथरूम में लूफा रखा होता है। जिसको नहाने के समय त्वचा को साफ करने के लिए यूज करते हैं। डर्मेटोलॉजिस्ट की मानें, तो यह हमारी स्किन के लिए बहुत नुकसानदेह होता है। इसकी जगह आप, ॥ और क्र॥ वाले जेंटल एक्सफोलिएशन का इस्तेमाल कर सकती हैं।

फेस क्लींजर

आजकल स्किन केयर से जुड़े कई टूल्स मार्केट में आ गए हैं। जिनमें से एक टूल्स फेस क्लींजर है। यह फेस को गहराई से साफ करने में मदद करता है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है।

ड्राई स्किन से लेकर मुंहासों के लिए किसी खजाना से कम नहीं है टी ट्री ऑयल

टी ट्री का ऑयल त्वचा की देखभाल में कमाल घटक है, यह अपने व्यापक लाभों के लिए जाना जाता है। ऑस्ट्रेलियाई मूल के मेलेलुका अल्टिफ़ोलिया पेड़ की पत्तियों से प्राप्त इस तेल का उपयोग सदियों से पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता रहा है। आज के समय में यह त्वचा संबंधी अनेक समस्याओं के समाधान के लिए एक उपयोगी समाधान बना हुआ है। आइए जानते हैं टी ट्री का ऑयल के इस्तेमाल करने से क्या फायदे मिलते हैं।

खुजली वाली त्वचा से छुटकारा पाएं

यदि आप खुजली वाली त्वचा से जूझ रहे हैं, तो टी ट्री का ऑयल एक अच्छा समाधान हो सकता है। इसके सूजनरोधी गुण किसी भी अंतर्निहित संक्रमण को ठीक करने के साथ-साथ जलन और परेशानी को शांत करने में मदद करते हैं। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित 2012 के एक अध्ययन में टी ट्री का ऑयल पलकों की खुजली को कम करने में प्रभावी पाया गया। राहत के लिए, कुछ बूंदों को मॉइस्चराइज़र या कैरियर तेल के साथ मिलाएं और इसे प्रभावित क्षेत्रों पर दिन में कुछ बार लगाएं।

सूजन को प्राकृतिक रूप से शांत करें

टी ट्री का ऑयल दर्दनाक और ड्राई स्किन को कम करने में मदद कर सकता है। हेल्थलाइन द्वारा उल्लिखित शोध में पाया गया कि टी ट्री का ऑयल त्वचा की संवेदनशीलता को प्रभावी ढंग से शांत करता है। उपयोग करने से पहले, बस एक किसी भी ऐशियल तेल या मॉइस्चराइजर में एक बूंद मिलाएं और इसे प्रभावित क्षेत्रों पर दिन में कुछ बार लगाएं।

मुंहासे को दूर करता है

टी ट्री का ऑयल अपने सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुणों के कारण मुंहासे के इलाज के लिए व्यापक रूप से पसंद किया जाता है। यह साफ और चिकनी त्वचा के लिए मुंहासे के निशान को रोकने और कम करने में भी मदद कर सकता है। टी ट्री ऑयल की तीन बूंदों को दो औंस विच हेज़ल के साथ मिलाएं और इसे पूरे दिन टोनर के रूप में लगाएं। आप ऐसे फेस वॉश, मॉइस्चराइज़र या स्पॉट ट्रीटमेंट का विकल्प भी चुन सकते हैं जिनमें चाय के पेड़ का तेल होता है।

मिनटों में गायब होंगे चेहरे के पिंपल्स से लेकर झुर्रियां, बस इस तरह से लगाएं कच्ची हल्दी

चेहरे पर मुंहासे होने से लेकर त्वचा की झुर्रियों को दूर करता है हल्दी। ज्यादातर लोग हल्दी से आधारित फेस क्रीम या फेस वॉश पर निर्भर रहे होंगे। हालांकि, कच्ची हल्दी के फायदे हल्दी आधारित उत्पादों से बेहतर हैं। आप भी चेहरे के पिंपल्स को हल्दी के जरिए हटा सकते है। क्या आपने कभी सोचा है कि शादी से पहले के उत्सवों के दौरान हल्दी समारोह क्यों किया जाता है? यह सदियों पुराना अनुष्ठान जोड़े के लिए एक नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है और यह भी माना जाता है कि हल्दी जल्द ही शादी करने वाले जोड़े को बुरी नज़र से बचाता है। शादी से पहले हल्दी या कच्ची हल्दी लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि दूल्हा और दुल्हन को चमकदार और साफ त्वचा का आशीर्वाद मिले। ऐसा इसलिए है क्योंकि हल्दी अपने उपचार, सूजन-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है।

कच्ची हल्दी खनिज और विटामिन से भरपूर होती है। यह भी माना जाता है कि पाउडर या सूखे रूपों की तुलना में इसमें कर्क्यूमिन की उच्च सांद्रता होती है। साथ ही, हल्दी उत्पादों में पाए जाने वाले रासायनिक तत्व फायदे से ज्यादा नुकसान कर सकते हैं।

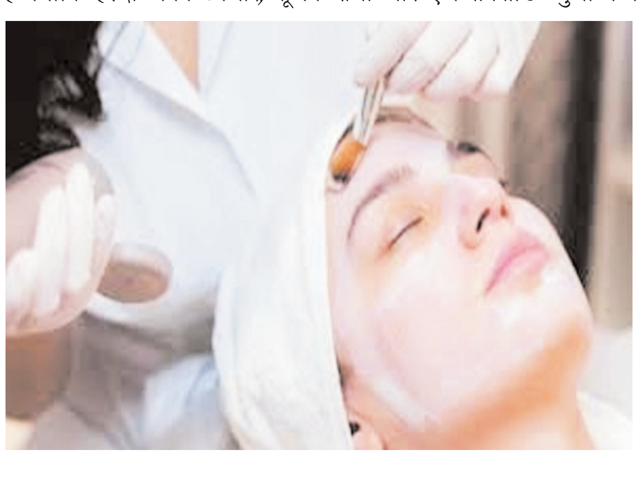

नेचुरल चमक

चमकदार, प्राकृतिक रूप से दमकती त्वचा पाने का सपना कौन नहीं देखता? कच्ची हल्दी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को फिर से जीवंत करने, प्राकृतिक चमक देने में सहायता करते हैं। हल्दी को ज्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहिए नहीं तो यह त्वचा को पीलापन दे सकती है।

त्वचा की देखभाल के लिए कच्ची हल्दी को शामिल करें

मुंहासे सबसे आम त्वचा समस्याओं में से एक है जो सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करती है। मुंहासों के इलाज के लिए कच्ची हल्दी एक बेहतरीन उपाय हो सकती है। यह त्वचा की सूजन को कम करता है और मुंहासों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा, फर्माट्यूटर में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि करक्यूमिन ब्रेकआउट से लड़ सकता है।

नमी प्रदान करता है

सर्दियों का मौसम त्वचा की कई समस्याओं के साथ आता है, जिसमें रूखापन भी शामिल है, जिससे हमारा चेहरा सुस्त दिखने लगता है। त्वचा को गहरी नमी प्रदान करने के लिए घर पर बना हल्दी मास्क या पैक लगाना बहुत उपयोगी हो सकता है। यह मृत त्वचा कोशिकाओं को भी हटाता है जिससे नई त्वचा कोशिकाओं का पुनर्जनन होता है।

समय से पहले बुढ़ापा कम करता है

यूवी किरणों और पर्यावरण प्रदूषण के संपर्क में आने से त्वचा के प्राकृतिक तेल संतुलन में बाधा आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप महीन रेखाएं, झुर्रियां और उम्र के धब्बे सहित समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने लगती है। करक्यूमिन, एक उच्च एंटीऑक्सीडेंट यौगिक होने के कारण, कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है और आपकी त्वचा की लोच को मजबूत करता है।

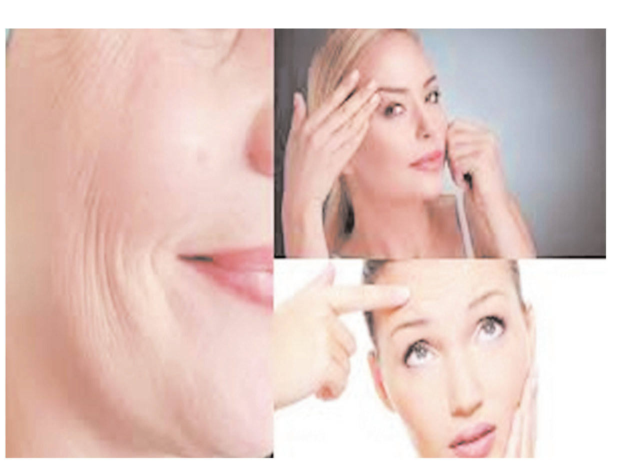

बॉलीवुड सेलेब्स की इन साड़ी लुक को अपनाएं

हिंदू धर्म में करवा चौथ त्योहार काफी महत्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है। करवा चौथ पर सोलह श्रृंगार किया जाता है, साथ ही साड़ी और गहने भी पहने जाते हैं। इस बार आप करवा चौथ पर एकदम हटके दिखना चाहती हैं और आपके पति की नजर आप पर रहे, तो इन बॉलीवुज हसीनाओं के दिलकश अंदाज वाली साड़ी लुक को जरुर ट्राई करें। ये साड़ियां आपके करवा चौथ लुक में चार चांद लगा देगी। वैसे भी रेड साड़ी का ट्रेंड काफी रहता है। इसी वजह से बॉलीवुड एक्ट्रेसेज रेड साड़ियां को फ्लांट करते नजर आते हैं। अगर आप भी सेलिब्रिटीज स्टाइल जैसी साड़ियां खरीदना चाहते हैं तो इन लेटेस्ट डिजाइन को जरुर ट्राई करें।

शिल्पा की तरह दिखें ग्लैमरस

इस करवा चौथ पर आप अपने ग्लैमरस लुक को दिखाने के लिए इस लुक को जरुर ट्राई करें। शिल्पा की ये रेड साड़ी काफी ट्रेंड मे है। इसका शियर फैब्रिक हो या स्टाइलिश ब्लाउज पीस, साड़ी का ड्रेपिंग का तरीका भी काफी स्टाइलिश लग रही है।

सोनाक्षी सिन्हा की रॉयल साड़ी लुक

करवा चौथ पर आप एकदम रॉयल दिखना चाहते हैं, तो बनारसी साड़ी सबसे बेहतरीन ऑप्शन है। ये साड़ी लुक देखने में बेहद खूबसूरत और रॉयल लगती है। आप भी सोनाक्षी की तरह अपने वॉर्डरोब में एक लाल रंग की खूबसूरत बनारसी साड़ी को एड कर सकते हैं।

कैटरीना का रेड फ्लोरल साड़ी लुक

अगर आप कैटरीना कैफ की तरह खूबसूरत और सादगी के साथ नजर आना चाहते हैं, तो आप कैटरीना की रेड फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी वाला ये लुक को अपना सकते हैं। इस साड़ी लुक में कैटरीना मिनिमल मेकअप लुक के साथ बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। आप भी इस करवा चौथ कैटरीना के इस लुक को ट्राई कर सकते हो।

मुल्तानी मिट्टी से बने फेस पैक से चेहरे पर आएगा गजब का निखार, स्किन बनेगी चमकदार

मुल्तानी मिट्टी हमारी त्वचा के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होती है। यह एक प्राकृतिक मिट्टी है, जो हमारी त्वचा को साफ करने, स्किन को चमकदार बनाने और मुंहासों को कम करने में मदद करती है।

ऑफिस और घर के कामों की वजह से हम अपनी स्किन का ख्याल रखना भूल जाते हैं। इसलिए आज हम आपको एक बहुत की ज्यादा किफायती और असरदार नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे आपकी त्वचा को इंस्टेंट ग्लो मिलेगा। यह नुस्खा मुल्तानी मिट्टी से बने फेस पैक का है।

मुल्तानी मिट्टी हमारी त्वचा के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होती है। यह एक प्राकृतिक मिट्टी है, जो हमारी त्वचा को साफ करने, स्किन को चमकदार बनाने और मुंहासों को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा यह फेस पर जमी गंदगी को जड़ से साफ करने में मददगार है। तो आइए जानते हैं आप इसको फेस पर कैसे अप्लाई कर सकते हैं।

फेस के लिए फायदेमंद है मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी त्वचा के लिए नेचुरल क्लींजर की तरह काम करती है। यह पोर्स में जमी गंदगी को साफ करने के साथ पिंपल्स को बढ़ने से रोकने में मददगार होती है। इसमें मौजूद पोषक तत्व हमारी त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। मुल्तानी मिट्टी हमारी स्किन टाइटनिंग के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह झुर्रियों को बढ़ने से रोकती है।

सामग्री

- मुल्तानी मिट्टी- 2 चम्मच
- चंदन- 1 चम्मच
- शहद- 2 चम्मच
- गुलाब जल- जरूरत अनुसार

लूफा का इस तरह से करेंगे इस्तेमाल तो स्किन को नहीं होगी दिक्कत, मिलेगी खिली-खिली त्वचा

हम सभी अपनी स्किन का ध्यान रखने के लिए हम सभी बहुत मेहनत करते हैं। स्किन का ख्याल रखने के लिए हम महंगे-महंगे स्किन केयर ट्रीटमेंट कराते हैं। साथ ही मार्केट में मिलने वाले स्किन केयर प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से हमारी स्किन खिली-खिली रहती है। लेकिन कई बार अंजाने में हम कुछ ऐसी लापरवाही कर देते हैं, जिसकी वजह से हमारी स्किन मुश्किल में पड़ जाती है। दरअसल, हम यहां पर लूफा की बात कर रहे हैं। जिसका नहाने के दौरान इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में अगर आप भी लूफा का इस्तेमाल करते हैं। तो आपको संभलने की जरूरत है। यहां पर हम आपको कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान आपको लूफा का इस्तेमाल करने के दौरान करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि लूफा का इस्तेमाल करने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

पूरा दिन रखें सूखा

अक्सर नहाने के बाद हम लूफा को बाथरूम में ऐसी जगह पर लटका देते हैं, जहां पर वह हमेशा पानी में भीगता रहता है। बता दें कि नहाने के बाद लूफा को अच्छे से साफ करने के बाद उसको सूखी जगह पर रखें। क्योंकि नमी में बैक्टीरिया और फंगस जल्दी पनप सकते हैं।

समय पर बदलें

अगर आप लूफा का इस्तेमाल करते हैं, तो आप इसको समय पर बदलना बेहद जरूरी है। हर 3-4 हफ्तों में लूफा को बदल देना चाहिए।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कुर्सी संभालते ही सीएम नायब सिंह सैनी का बड़ा फैसला

चंडीगढ़। भाजपा के नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में आज अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने हरियाणा के लोगों के लिए बड़ा फैसला लिया है। डीपीआर हरियाणा ने बताया कि कार्यभार संभालने के बाद सीएम नायब सिंह सैनी ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में क्रोनिक किडनी रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस सेवाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी मेडिकल कॉलेजों में भी नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद नायब सिंह सैनी ने एक्स पर एक लंबा पोस्ट साझा किया है। अपने पोस्ट में नायब सिंह सैनी ने लिखा कि नॉनस्टॉप हरियाणा के विकास और नवनिर्माण को गतिमान रखने वाले जनादेश के लिए सर्वप्रथम 2.80 करोड़ अपने परिवारजनों का हार्दिक आभार।

उमर मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों को विभाग आवंटित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों को शुक्रवार को विभागों का आवंटन किया। उपराज्यपाल ने यहां मुख्यमंत्री के परामर्श पर विभागों के आवंटन का एक आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी लोक निर्माण (आरएंडबी), उद्योग एवं वाणिज्य, खनन, श्रम एवं रोजगार तथा कौशल विकास का प्रभार संभालेंगे। एकमात्र महिला मंत्री सकीना मसूद (इटू) को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का प्रभार सौंपा गया है। जावेद अहमद राणा को जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के विभाग आवंटित किए गए हैं। जावेद अहमद डार कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव मंत्री होंगे। आदेश में कहा गया है कि किसी भी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए अन्य विभाग/विषय मुख्यमंत्री के पास रहेंगे।

कांग्रेस पूरा करने जा रही अपना बड़ा चुनावी वादा

हैदराबाद। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए राज्य भर में जाति सर्वेक्षण कराने जा रही है। जाति सर्वेक्षण की मांग कांग्रेस और विपक्ष की ओर से लगातार उठाया जा रहा है। तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में कांग्रेस ने बड़ा वादा किया था। सरकार बनने के बाद कांग्रेस राज्य में अपना ये वादा पूरा करने जा रही है। यह पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा राज्य में समग्र कुटुंबा सर्वेक्षण या एकीकृत घरेलू सर्वेक्षण किए जाने के लगभग एक दशक बाद आया है। पूरे राज्य में कांग्रेस सरकार के जाति सर्वेक्षण अभ्यास में 80,000 से अधिक गणनाकार और 10,000 पर्यवेक्षक शामिल होंगे। सर्वेक्षण का कार्यान्वयन, जिसे आधिकारिक तौर पर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण कहा जाता है, रेड्डी सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

बांद्रा पूर्व से शिवसेना यूबीटी ने घोषित किया अपना उम्मीदवार

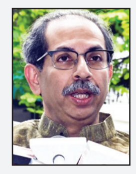

मुंबई। जैसे-जैसे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के बीच तनाव बढ़ रहा है। दोनों पार्टियां बांद्रा (पूर्व) निर्वाचन क्षेत्र को लेकर भिड़ गईं, हालांकि सीट-बंटवारे पर समझौता अभी भी जारी है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने वरुण सरदेसाई को बांद्रा (पूर्व) सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। आदित्य ठाकरे के चचेरे भाई सरदेसाई पिछले 14 वर्षों से युवा सेना में सक्रिय रूप से शामिल हैं और उन्हें ठाकरे परिवार का करीबी माना जाता है। इस घोषणा से कांग्रेस नेताओं को निराशा हुई है। शिवसेना उम्मीदवार की घोषणा के बाद कांग्रेस के सदस्यों में खलबली मच गई है। कांग्रेस के जीशान सिद्दीकी ने 2019 के विधानसभा चुनाव में निर्वाचन क्षेत्र जीता और वर्तमान में मौजूदा विधायक के रूप में कार्यरत हैं। कांग्रेस के कई नेता बांद्रा (पूर्व) से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं लेकिन अब राजनीतिक खींचतान में फंस गए हैं।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन से किसे होगा लाभ?

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति लगातार मराठवाड़ा क्षेत्र और मराठा आरक्षण आंदोलन के इर्द-गिर घूमती हुई दिखाई दे रही है। इसको साधने की कोशिश सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से लगातार की जा रही है। हालांकि, महाराष्ट्र की राजनीति में मराठवाड़ा क्षेत्र और वर्तमान में देखे तो मराठा आरक्षण आंदोलन का बेहद महत्व हो गया है। मराठवाड़ा क्षेत्र की कुल 46 सीटें हैं, जहां सत्तारुढ़ महायुती और विपक्षी महा विकास अघाड़ी अपने-अपने दांव-पेंच खेल रहे हैं। कोई यहां जातिगत एकजुटता को केंद्रित करने की कोशिश कर रहा है तो कोई यहां ध्रुवीकरण की जाल बिछा रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जो खुद मराठा है। 2023 में शुरू हुए मराठा आरक्षण आंदोलन के बाद से वह लगातार मराठाओं को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने की मांगों पर सावधानी से कम कर रहे हैं। हालांकि उनकी ओर से कई आश्वासन भी दिए गए। लेकिन अब तक वह कामयाब होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। यही कारण है कि मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर विपक्ष को सत्तारूढ़ सरकार को घरने का बड़ा मौका मिल गया है।

झारखंड विस चुनावः एनडीए में हुआ सीटों का बंटवारा

भाजपा 68 सीट, आजसू को 10, जेडीयू को 2 और एलजेपी को मिली 1 सीट

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपने सहयोगियों के साथ सीट बंटवारें का ऐलान कर दिया। सीट बंटवारें के मुताबिक झारखंड में बीजेपी 68, आजसू 10, जेडीयू 2 और एलजेपी-आरवी 1 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सुदेश महतो की ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) 10 सीटों- सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, इचाघर, मांडू, जुगसलाई, डुमरी, पाकुड़, लोहरदगा और मनोहरपुर पर चुनाव लड़ेगी। जबकि नीतीश कुमार की जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) दो सीटों- तमाड़ और जमशेदपुर पूर्वी, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) चतरा विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री और झारखंड में बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड में बीजेपी, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू), जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीट बंटवारे पर भी सहमति बन गई है और जल्द ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी। बीजेपी के झारखंड विधानसभा चुनाव सह-प्रभारी और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर चर्चा चल रही है। फिलहाल, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 2 सीटों पर जनता दल (यूनाइटेड) और एक सीट पर लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी)। बाकी सीटों पर बीजेपी चुनाव लड़ेगी।

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 43 सीट पर 13 नवंबर को होने वाले मतदान में 900 से अधिक ऐसे मतदाता हैं, जिनकी उम्र 100 साल से अधिक है और इनमें 533 महिलाएं शामिल हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। झारखंड विधानसभा चुनाव 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे, जबकि 23 नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे। अधिकारी ने शुक्रवार को बताया, ''राज्य में 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 100 वर्ष से अधिक आयु के कुल 995 मतदाता वोट डालने के पात्र हैं, जिनमें 462 पुरुष और 533 महिला मतदाता शामिल हैं।'' मतदाता सूची के अनुसार, झारखंड में

कुल 2.60 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 1.13 लाख मतदाता 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक हैं।

उत्तरप्रदेश में बदलेगी उपचुनाव की तारीख? चुनाव आयोग से भाजपा ने की अपील

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर कार्तिक पूर्णिमा के कारण चुनाव की तारीख में बदलाव का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महासचिव गोविंद नारायण शुक्ला, संजय राय, रामप्रताप सिंह चौहान और चुनाव आयोग संपर्क विभाग के प्रदेश संयोजक अखिलेश कुमार अवस्थी शामिल थे। इन नेताओं ने कार्तिक पूर्णिमा पर्व के कारण मतदान की तारीख में बदलाव के लिए चुनाव आयोग को पत्र सौंपा। भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल ने गुरुवार को चुनाव आयोग से कार्तिक पूर्णिमा स्नान और पूजा के मद्देनजर उपचुनाव की तारीखें 13 नवंबर से बढ़ाकर 20 नवंबर करने की मांग की। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को संबोधित पत्र सौंपते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में उपचुनाव की तारीख 13 नवंबर को घोषित की गई है। जबकि कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व 15 नवंबर को है। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा के स्नान पर्व और पूजा का विशेष महत्व है।

कार्तिक पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में लोग स्नान और पूजा करने जाते हैं। गौरतलब है कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लोग कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद और प्रयागराज पहुंचते हैं, मेले में भाग लेने और पूजा करने के लिए लोग कम से कम तीन से चार दिन पहले ही पहुंच जाते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इसके कारण अधिकांश मतदाता मतदान से वंचित हो सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चुनाव आयोग शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा के कारण उपचुनाव में मतदान प्रतिशत कम रह सकता है. अतः उप-चुनाव की तिथि 13 नवम्बर 2024 के स्थान पर 20 नवम्बर 2024 निर्धारित किया जाना उचित होगा।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे में देरी पर संजय राउत निराश

मुंबई। शिवसेना उद्धव के सांसद संजय राउत ने महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे को लेकर हो रही देरी पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि सभी सीटों पर बात हो गई है। कुछ सीटें ऐसी हैं, जिन पर राज्य कांग्रेस के नेता फैसला नहीं ले पा रहे हैं। संजय राउत ने कहा कि मैंने शुक्रवार सुबह कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल और मुकुल वासनिक से बात की है। आज मैं राहुल गांधी से भी बात करूंगा। उनसे कहूंगा कि सीट बंटवारे के संबंध में लंबित निर्णय में तेजी लाई जाए। कई सीटों पर फैसले हो चुके हैं। महाराष्ट्र के कुछ नेता फैसले लेने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें बार-बार सूची दिल्ली भेजनी पड़ रही है। अब वह समय बीत चुका है। उन्होंने कहा कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस में कोई मतभेद नहीं है। लेकिन कुछ सीटें ऐसी हैं, जिन पर तीनों पार्टियों का दावा है। महाराष्ट्र में नाना पटोले हमारे सहयोगी हैं, उनको कुछ सीटों पर दिक्कत है, उसे सुलझा लिया जाएगा। हम इस बारे में जल्द फैसला लेंगे। गठबंधन में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के साथ ही समाजवादी पार्टी, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया (पीडब्ल्यूपी) भी है।

पीएम मोदी अगले हफ्ते करेंगे रूस का दौरा

पुतिन ने दिया ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22-23 अक्तूबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए रूस का दौरा करेंगे। बता दें कि इस बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजान में किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान पीएम मोदी ब्रिक्स सदस्यीय देशों के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। पीएम मोदी इससे पहले जुलाई में भी रूस का दौरा कर चुके हैं।

आठ जुलाई को पीएम मोदी ने रूस का दौरा किया था। वह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन को आयोजित करने के लिए रूस पहुंचे थे। इस दौरान पीएम मोदी ने पुतिन के साथ वार्ता की, जिसके दौरान व्यापार और रक्षा सौदों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। अपनी इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी चर्चा हुई। बता दें कि फरवरी 2022 में मास्को की तरफ से यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली रूस यात्रा थी। इसके एक महीने बाद ही उन्होंने यूक्रेन का दौरा किया था। पोलैंड की यात्रा खत्म कर वे ट्रेन से 10 घंटे का सफर करके यूक्रेन पहुंचे थे। अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की।

क्या है ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं। हाल ही में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ब्रिक्स के सदस्य बने हैं। बढ़ी हुई सदस्यता के साथ ब्रिक्स दुनिया की 45 त्न आबादी और 28 फीसदी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन बन गया है।

चीनी राष्ट्रपति भी लेंगे हिस्सा

रूस के कजान में आयोजित इस सम्मेलन में पीएम मोदी के अलावा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी हिस्सा लेंगे। लगभग एक साल बाद पहली बार ऐसा होगा कि पीएम मोदी और जिनपिंग एक साथ एक मंच पर होंगे।

इससे पहले दोनों नेताओं की मुलाकात अगस्त 2023 में दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ही हुई थी। ब्रिक्स की इस बैठक में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियान और फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास भी होंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए भारत की तरफ से दिए गए शांति सहयोग प्रस्ताव पर रूसी कूटनीतिक सूत्रों ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि रूस ऐसे सभी प्रयासों का सम्मान करता है। लेकिन यूक्रेन अपनी शांति समझौता शर्तों पर ही बात करना चाहता है। ऐसे में फिलहाल न तो रूस साथ बैठने की स्थिति में है और न यूक्रेन इसके लिए राजी है।

पीएम मोदी ने बिहारवासियों को दिया दिवाली गिफ्ट

वैशाली। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी बिहारवासियों को दिवाली का तोहफा दिया है। मोदी सरकार ने पटना से पश्चिम चंपारण (बेतिया) जाने वाली सड़क के (एनएच 139) चौड़ीकरण का निर्णय है। इसके लिए केंद्र सरकार ने 1712.33 करोड़ की राशि को स्वीकृति दी गयी है। इस योजना के कारण अब पटना से बेतिया जाने वाले लोगों की यात्रा सुगम हो जायेगी। गुरुवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की थी। उन्होंने कहा था कि एनएच 139 डब्ल्यू को चौड़ा किया जाएगा। इसकी लंबाई 44.65 किलोमीटर है। इसमें मानिकपुर से साहेबगंज तक चौड़ीकरण किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह परियोजना बौद्ध सर्किट के रास्ते में पटना से बेतिया तक हाई स्पीड कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी। इससे वैशाली, मुजफ्फरपुर समेत आसपास के जिलों में पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

खेल
प्रमुख समाचार

44 महीने बाद पाकिस्तान ने अपने घर में जीता टेस्ट

मुल्तान। पाकिस्तान ने मुल्तान में खेले गए दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रन से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 366 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 291 रन पर सिमट गई थी। पाकिस्तान ने 75 रन की बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में 221 रन बनाए और 296 रन की बढ़त हासिल की। 297 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी 144 रन पर सिमट गई। इस टेस्ट के लिए टीम में शामिल किए गए स्पिनर नोमान अली ने दूसरी पारी में आठ विकेट झटके। उन्होंने मैच में कुल 11 विकेट लिए और अपनी उपयोगिता साबित की। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गई है। तीसरा और निर्णायक टेस्ट मुकाबला 24 अक्तूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम 44 महीने बाद अपने घर में कोई टेस्ट मैच जीती है। उसने अपने घर में पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रावलपिंडी में जीता था। तब पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 95 रन से हराया था। इसके बाद टीम ने 12 टेस्ट खेले हैं। इसमें से पाकिस्तान टीम को एक में जीत मिली है। चार टेस्ट ड्रॉ रहे और सात में पाकिस्तान की टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान की टीम ने इस टेस्ट के लिए कड़े फैसले लेते हुए कई बड़े बदलाव किए थे। इनमें बाबर आजम, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर बैठाना शामिल था। इसका फायदा टीम को हुआ और नए खिलाड़ियों ने पाकिस्तान की जबरदस्त वापसी में मदद की है। बाबर की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर आए कामरान गुलाम ने पहली पारी में शतक जमाया तो स्पिनर साजिद खान ने इंग्लैंड को पहली पारी में सात झटके दिए। दूसरी पारी में नोमान अली की स्पिन गेंदों का कहर बरपा और उन्होंने आठ विकेट लिए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 218 अंक चढ़ा, बैंकिंग और ऑटो स्टॉक चमके

नईदिल्ली। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में तेजी के दम पर हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीन दिन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 570.45 अंक की गिरावट के साथ 80,436.16 अंक पर आ गया था। इसी तरह से, निफ्टी भी 178.3 अंक फिसलकर 24,571.55 अंक पर आ गया था। मगर दोपहर के सत्र से शेयर बाजार ने स्मार्ट रिकवरी की और शुरुआती गिरावट से उबर गया। कारोबार के अंत में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 218.14 अंक या 0.27त्न प्रतिशत की बढ़त लेकर 81,224.75 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 80,409.25 और 81,391.15 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 104.20 अंकों या 0.42 प्रतिशत मजबूत होकर 24,854.05 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,567.65 और 24,886.20 के रेंज में कारोबार हुआ।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वर्ल्ड इकोनॉमी का सबसे अच्छा पहलू

नईदिल्ली। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। बंगा ने पत्रकारों से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की वृद्धि दर विश्व अर्थव्यवस्था के सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। मुझे लगता है कि इस तरह के माहौल में छह से सात प्रतिशत और उससे अधिक की दर से वृद्धि कर पाना आपको दिखाता है कि उन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं। विश्व बैंक और आईएमएफ की अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक से पहले बंगा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा, भारत में हुई अधिकतर वृद्धि घरेलू बाजार के दम पर मुमकिन हो पाई है जो कुछ मायनों में एक अच्छा संकेत है। भारत को जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है और जैसा कि नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है- जीवन की गुणवत्ता, जैसे हवा तथा पानी की गुणवत्ता आदि पर काम करना जरूरी है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने सोलर-विंड पावर सप्लाई के लिए समझौते पर किए हस्ताक्षर

नईदिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की दो इकाइयों ने महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी को 1,200 मेगावाट बिजली आपूर्ति के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी बयान के अनुसार, जेएसडब्ल्यू एनर्जी की अनुषंगी कंपनियों जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी सिक्स लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी थर्टी लिमिटेड ने राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटी (एसटीयू) से जुड़ी सौर-पवन हाइब्रिड क्षमता के लिए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौतों पर हस्ताक्षर दो हाइब्रिड परियोजनाओं के लिए किए गए हैं। इनमें से प्रत्येक की क्षमता 600 मेगावाट है, जिससे कुल 1,200 मेगावाट बिजली उत्पादन होगा। इन परियोजनाओं के 24 महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है।

मूडीज ने बजाज फाइनेंस को पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी

नईदिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) को स्थिर दृष्टिकोण के साथ निवेश 'ग्रेड' का संकेत देते हुए पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी है। मूडीज के बयान का हवाला देते हुए बीएफएल ने कहा, कंपनी की रेटिंग उसकी मजबूत तथा स्थापित 'फ्रेंचाइजी' को भारत में सबसे बड़ी खुदरा उन्मुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में मान्यता देती है, जिसके पास बड़ा ग्राहक आधार तथा वितरण नेटवर्क है। इसमें विविधतापूर्ण ऋण पुस्तिका जो इसके उच्च जोखिम-समायोजित लाभप्रदता का समर्थन करती है इसका पूंजीकरण तथा इसकी प्रतिस्पर्धी वित्त पोषण लागत शामिल है। इसमें कहा गया, बीएफएल संभवतः बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखेगी। जून 2024 तक 3500 अरब रुपये के प्रबंधन के तहत समेकित परिसंपत्तियों के साथ अपनी पहले से ही बड़ी 'फ्रेंचाइजी' को और बढ़ाएगी।

इंपोर्ट पर निर्भरता घटाने को नई 'कैपिटल गुड्स पॉलिसी' की जरूरत

डॉ. अमृत सागर मित्तल

भारत को दुनिया का इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की मुहिम 'मेक इन इंडिया' के 10 साल पिछले महीने पूरे हुए । मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर को बढ़ावा देने की ऐसी तमाम कोशिशों के बावजूद इस सैक्टर का देश की अर्थव्यवस्था में योगदान 17 फीसदी के आसपास अटका है। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर में भारत की केवल 2.8 फीसदी हिस्सेदारी चीन जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बहुत पीछे है। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत को मजबूत करने के लिए 'कैपिटल गुड्स' इंडस्ट्री, जैसे मशीन टूल्स, टैक्सटाइल मशीनरी, इलैक्ट्रिकल उपकरण, प्रोसैसिंग प्लांट उपकरण, कंस्ट्रक्शन व माइनिंग मशीनरी के देश में उत्पादन पर जोर देने की जरूरत इसलिए है, ताकि इनके इंपोर्ट पर निर्भरता घटाई जा सके। देश के मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर में 12 फीसदी 'कैपिटल गुड्स' के उत्पादन का जी.डी.पी. में केवल 2 फीसदी योगदान है। 80 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देने वाली कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री को मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर में वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए चीन, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और जापान जैसे देशों की औद्योगिकीकरण रणनीतियों से सबक लेने की जरूरत है।

भारत के कैपिटल गुड्स मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर में पिछले दशक के दौरान साल-दर-साल केवल 1.1 प्रतिशत की वृद्धि के कारण इंपोर्ट लगभग दोगुना बढ़ा है। तमाम सब सैक्टरों में कैपिटल गुड्स का भारत से एक्सपोर्ट के मुकाबले इंपोर्ट लगभग 3 गुना अधिक है। हालांकि कोरोना के बाद सरकारी पूंजीगत खर्च, इंफ्रास्ट्रक्चर डिवैल्पमैंट व बढ़ते डिजिटलीकरण की वजह से कैपिटल गुड्स सैक्टर की 12 फीसदी की मजबूत बढ़ोतरी

को देखते हुए केंद्र सरकार के हैवी इंडस्ट्री विभाग ने नई कैपिटल गुड्स पॉलिसी बनाने के लिए कारोबारियों के साथ सलाह-मशविरा शुरू किया है। नई पॉलिसी को नई सोच और केंद्रित दृष्टिकोण के साथ कारगर ढंग से लागू करने के लिए कुछ पहलुओं पर गौर करने की जरूरत है।

पहला : नैशनल गुड्स पॉलिसी 2016 के व्यापक विश्लेषण में वर्तमान व भविष्य के उत्पादन को ध्यान में रखते हुए टैक्नोलॉजी, इनोवेशन और स्किल डिवैल्पमैंट पर जोर देने की जरूरत है। हाईटैक मैन्युफैक्चरिंग, इलैक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन एनर्जी के लिए आवश्यक मशीनरी की डिमांड व सप्लाई का अंतर कम करने के लिए पुराने व नए दोनों तरह के उद्योगों के लिए इंसैंटिव व कारगर रणनीति महत्वपूर्ण है।

दूसरा : बड़ी भारतीय कंपनियों और एस.एम.ईज के विस्तार व इन्नोवेशन के दम पर डोमैस्टिक डिमांड पूरी करने से इंपोर्ट पर निर्भरता घटाई जा सकती है। उन हाईटैक उभरते उद्योगों पर ध्यान देने की जरूरत है, जो इन्नोवेशन, आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) और मशीन लर्निंग के जरिए भारतीय कंपनियों के लिए वैश्विक सांझेदारी की राह खोलते हैं। ग्लोबल कंपनियों के साथ गठबंधन को बढ़ावा देने के लिए सरकार सब्सिडाइज्ड लोन, एस.एम.ईज के लिए टैक्नोलॉजी इन्नोवेशन फंड, बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आर. एंड डी. फंड और हाईटैक उद्योगों के लिए प्रोडक्शन ड्क्षलक्ड इंसेटिव (पी.एल.आई.) स्कीम जैसी प्रोत्साहन स्कीमों की पेशकश कर सकती है।

तीसरा : एस.एम.ईज सैक्टर में टैक्नोलॉजी अपग्रेडेशन इंसैंटिव के लिए पूंजी निवेश की सीमा तय की गई है। इसलिए कई छोटे हाईटैक उद्योगों में अधिक पूंजी निवेश की जरूरत को ध्यान में रखते हुए भारत को चीन, दक्षिण कोरिया व जर्मनी के ऐसे उद्योगों में निवेश के बैंचमार्क को लागू कर पूंजी निवेश सीमा बढ़ाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह पहल न केवल अधिक निवेश को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि इससे इन्नोवेशन व विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

चौथा : पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को व्यवस्थित करने से कैपिटल गुड्स का डोमैस्टिक प्रोडक्शन बढ़ाया जा सकता है। चीन की तर्ज पर स्वदेशी उत्पादकों के लिए सरकार का अटूट समर्थन लोकल मशीनरी की मांग बढ़ाएगा, जिससे इंपोर्ट पर निर्भरता घटेगी।

मुख्यमंत्री ने किया क्षेत्रीय उद्यमी सम्मेलन 2024 का किया शुभारंभ

सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के हित में काम करने वाला एक विशाल संगठन है लघु उद्योग भारतीः साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अग्रसेन भवन खुर्सीपार में आयोजित क्षेत्रीय उद्यमी सम्मेलन 2024 का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, लघु उद्योग के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पुरूषोत्तम पटेल, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघानिया, लघु उद्योग भारती के म.प्र. अध्यक्ष राजेश मिश्रा सहित अन्य उद्यमी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्यमी सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि उद्यमिता के विकास और प्रदेश में नये निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लघु उद्योग भारती द्वारा सम्मेलन का आयोजन एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के हित में काम करने वाला एक विशाल संगठन है। देश में इस संगठन की करीब 1000 इकाईयां और 65000 सदस्य होना सचमुच गौरव की बात है। सरगुजा और बस्तर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में भी संगठन ने अपना विस्तार किया है। इससे निश्चित ही इन क्षेत्रों में भी लघु और सूक्ष्म उद्योगों को ताकत मिल रही है और उद्यमिता का विकास हो रहा है। हमारे प्रदेश में खनिज सम्पदा का भंडार है। यहां का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। हमारे प्रदेश में मेहनतकश किसान है, इसलिए छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। यहां पर उद्योग की बहुत अच्छी संभावना है। मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि आगामी माह नवम्बर में प्रदेश की नई उद्योग नीति 2024-29 लांच करने की तैयारी है। इस नीति में छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से प्रावधान किये जा रहे हैं। उद्यमियों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लघु उद्योग भारती के लिए नया रायपुर में भूमि एवं मध्यप्रदेश के समान छत्तीसगढ़ में भी एमएसएमई (माइक्रो एंड स्माल मिडियम इंटरप्राइजेस) मंत्रालय के अधीन स्थापित करने का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने लघु उद्योग भारती की 'छत्तीसगढ़ उद्योग दर्पण 2024' पुस्तक का विमोचन किया। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि हमारी सरकार उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सिंगल विंडो प्रणाली 2.0 लागू की गई है। उद्यमियों को अब विभिन्न विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। सभी आवश्यक अनुमतियां और लाइसेंस इसी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होंगे। उद्योगों में उत्पादित होने वाले माल की बिक्री हेतु विदेश से एमओयू किया गया है।

दक्षिण उपचुनाव : भूपेश बघेल ने पूछा-

क्या बृजमोहन अग्रवाल की अनुशंसा मानेगी भाजपा?

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर स्थित निवास में पत्रकारों से कई विषयों पर चर्चा की. उन्होंने लोहारीडीहकांड, सूरजपुर हिंसा, सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी, दक्षिम उपचुनाव जैसे मसलों पर सरकार को घेरा.

दक्षिण उपचुनाव

दक्षिण उपचुनाव को लेकर भूपेश बघेल ने कहा कि बैठकें जारी है. कल भी बैठक होगी. कांग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ेगी. चिंता भाजपा और बृजमोहन अग्रवाल को जरूर होगी. क्योंकि बृजमोहन अग्रवाल किनारे लगा दिए गए हैं. देखना होगा कि भाजपा बृजमोहन अग्रवाल की अनुशंसा मानती है नहीं.

चुनाव के मद्देनजर

भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि चुनाव आते ही कांग्रेस को बदनाम करने, उनके सहयोगी दलों को घेरने की कोशिश शुरू हो जाती है. अब चुनाव आयोग की भी भूमिका भी इसमें बड़ी हो गई है. आयोग के ईवीएम की बैटरी पर भी सवाल उठ रहे हैं.

कानून व्यवस्था

मुख्यमंत्री निवास में आज कानून व्यवस्था के मुद्दे पर गृह विभाग की बैठक हुई. बैठक में मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री की मौजूदगी में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को कड़ाई से कानून का कड़ाई से पालन कराने निर्देशित किया. अब इसी पर भूपेश बघेल ने साय सरकार पर निशाना साधा. बघेल ने कहा कि प्रदेश में कानून कंट्रोल से बाहर है. मुख्यमंत्री जब भी बैठक करते हैं उसके बाद बड़ी घटना हो जाती है.

लोहारीडीहकांड

लोहारीडीहकांड में सरकार बेनकाब हो चुकी है. छत्तीसगढ़ की पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में है. मध्यप्रदेश पुलिस ने जांच कर जो खुलासा किया उससे साबित हो गया कि जमकर लापरवाही बरती गई. हमारी मांग है कि नए सिरे से कचरू साहू की हत्या और उसके बाद घटी घटना की जांच होनी चाहिए.

सौरभ चंद्राकर

महादेव एप के सरगना सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी पर भूपेश बघेल ने सरकार पर निशाना साधा. कहा कि अगर गिरफ्तारी हो गई है तो एक हफ्ता बीत गया कहां सौरभ चंद्राकर ? सवाल तो ये है कि सट्टा अभी भी चल रहा है और सरकार जवाब देने की स्थिति में नहीं है.

धान खरीदी 1 नवंबर से शुरू किया जाये तथा अवधि बढ़ाई जाये

रायपुर। पत्रकारों से चर्चा करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 14 नवंबर से धान खरीदी के निर्णय से सरकार की नीयत में खोट साफ नजर आ रही है। सरकार 14 नवंबर से 31 जनवरी तक धान खरीदी का निर्णय लिया है। इसका मतलब है पहले ही सरकार धान खरीदी 14 दिन कम करेगी। यदि शुरूआत देर से की जा रही है तो खरीदी की अंतिम तिथि को 15 दिन आगे बढ़ाना चाहिये। ताकि सभी किसानों का धान समर्थन मूल्य पर बिक सके। खरीदी अवधि कम करना भाजपा सरकार बदनीयती का प्रमाण है। पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़ी है। रकबा बढ़ा है। पैदावार भी ज्यादा हुआ है। प्रति एकड़ खरीदी की लिमिट भी बढ़ी है, फिर खरीदी की अवधि कम करने का आधार क्या है?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस वर्ष धान की खरीदी 3217 रू. में करे क्योंकि 3100 रू. भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। केंद्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रू. बढ़ा दिया है। इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रू. से बढ़ाकर 3217 रू. किया जाये। कांग्रेस के समय भी कांग्रेस ने धान का समर्थन मूल्य 2500 देने का वादा किया था लेकिन समर्थन मूल्य बढ़ने पर कांग्रेस ने 2640 रू. में धान खरीदी किया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार किसानों का बकाया राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त का भुगतान दीपावली से करें ताकि किसान दीपावली मना सकें। किसानों के द्वारा पिछले वर्ष बेचे गये धान की कीमत की अंतिम किस्त जो सरकार को देना था, भाजपा सरकार ने उसको भी नहीं दिया है। किसानों का 1600 करोड़ रू. सरकार के पास बकाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि हसदेव में भाजपा सरकार अत्याचार कर रही है। आदिवासियों को उनके जल, जंगल, जमीन से बेदखल करने की साजिश रची जा रही है। आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासियों पर अत्याचार हो रहा है। वन कटाई का विरोध कर रहे आदिवासियों की क्रूरतापूर्वक पिटाई किया गया है। लोगों के सिर फूटे है, लोग घायल है, अस्पतालों में भर्ती है। सरकार क्रूर हो चुकी है। कांग्रेस हसदेव कटाई के खिलाफ है हम वहां के निवासियों के साथ में है और रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार डबल इंजन की सरकार बनी है लगातार छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन को, खनिज संसाधन को बेचने का काम कर रही है चंदउद्योगपतियों के लिए और जिस तरह से लगातार हसदेव में आदिवासियों की जंगल को छत्तीसगढ़ की वन संपदा को लगातार काटने जा रही है।

बच्चों के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता मेंः राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है, इसमें वे बच्चे भी शामिल है, जिन्हें विभिन्न कारणों से संस्थाओं में रहना पड़ रहा है। संस्थाएं उन बच्चों का घर नहीं है। उन्होंने कहा कि वास्तव में किसी व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास परिवार और समाज के बीच रहकर ही हो सकता है। इसे ध्यान में रखकर किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 में गैर संस्थागत देखरेख का समावेश किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आज रायपुर के स्थानीय होटल में आयोजित पोषण देखरेख कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तरीय पोषक परिवार सम्मेलन एवं पोषक परिवार नेटवर्क पर कार्यशाला उमंग का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में पोषण देखरेख ब्रोशर का विमोचन एवं वीडियो जारी की गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) कर रहे पोषक परिवारों को भी सम्मानित किया। इस कार्यशाला का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में विभाग ने महिलाओं एवं बच्चों के लिये अनेकों कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्ग बच्चों को विकास के अवसर देने से प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और अपने समाज और प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर सकते हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) संस्था के बाहर बच्चों की देखरेख का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। ''मिशन वात्सल्य'' के तहत जरूरतमंद और संरक्षण वाले बच्चों को पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए गैर नातेदार परिवार में अस्थाई देखरेख और संरक्षण की व्यवस्था की जाती है। इससे पोषक परिवार में जहां उत्साह, उमंग का संचार होता है। वहीं बच्चों को समुचित विकास का पूरा मौका मिलता है। इन बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रत्येक नागरिक को संवेदनशील और सहयोगी होना होगा। उन्होंने अपील कि है कि समाज के सभी वर्ग, स्वयं-सेवी संस्थाएं, सरकार के साथ बच्चों को पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने और उनके विकास के अवसर उपलब्ध कराने एकजुट होना होगा.

रायपुर दक्षिण विधानसभा को मिलेंगे दो विधायकः अग्रवाल

रायपुर. छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने को है. चुनावी अखाड़ में उतरने के लिए राजनीतिक पार्टियां पूरी दमखम से तैयारी में जुट गई है. इसी बीच रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उपचुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि दक्षिण विधानसभा के लोगों को अब दो-दो विधायक मिलने वाले हैं. एक विधायक जो जीत कर आएगा, और एक बृजमोहन. उन्होंने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा का बृजमोहन अग्रवाल हमेशा विधायक रहेगा, आठ बार दक्षिण की जनता ने जिताया है, उनका ऋण मैं कभी अदा नहीं कर सकता. वहीं दक्षिण विधानसभा सीट जीतने के लिए कांग्रेस की रणनीति बैठक पर रायपुर सांसद अग्रवाल ने कहा कि पहले भी रायपुर दक्षिण बीजेपी का था, आगे भी रहेगा. कांग्रेस पहले भी बैठक पर बैठक करती थी, उसका परिणाम 'ढाक के तीन पात' रहा है. यानि हर बार परिणाम एक समान रहा है. दक्षिण विधानसभा सीट बीजेपी जीतते आई है, आगे भी जीतेगी.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

शांति भंग की आंशका में 7 के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

रायपुर। ग्रामों में शांति भंग की आंशका को देखते हुये मंदिर हसौद थाना द्वारा 7 असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा के तहत कार्यवाही की गयी है वहीं ग्राम नारा में अपने होटल में शराब पिलाने के आरोपी 71 वर्षीय मदन साहू के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36 सी के तहत मामला दर्ज कर जमानतीय अपराध होने से जमानत पर रिहा किया गया। ग्रामों में शांति भंग का प्रयास करने की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी सचिन सिंह के निर्देश पर ग्राम जरौद के 22 वर्षीय डागेश उर्फ डग्गू साहू , 23 वर्षीय नवीन ध्रुव व 19 वर्षीय दिनेश यादव , ग्राम मंदिर हसौद के 40 वर्षीय बृजेश मिश्रा , तुलसी के 22 वर्षीय नरोत्तम निर्मलकर व? 20 वर्षीय डिगेंद्र धीवर व ग्राम नारा के 55 वर्षीय चंदूलाल साहू के खिलाफ जहां प्रतिबंधात्मक धारा के तहत कार्यवाही की गयी वहीं शराब बेचने के मामले में पुलिसिया कार्रवाई नारा के मदन साहू के खिलाफ शराब पिलाने का मामला दर्ज किया गया है।

रावघाट खदान से निकलने वाले ट्रकों के खिलाफ संघर्ष समिति ने खोला मोर्चा

रायपुर। रावघाट खदान से चलने वाले ट्रकों को बंद कर ट्रेन शुरू करने रावघाट संघर्ष समिति ने मांग की है. समिति पदाधिकारियों ने बताया कि ट्रकों के बेलगाम बेतरतीब परिचालन की वजह से क्षेत्र के 16 बच्चों की जान जा चुकी है. समिति ने इसके साथ अच्छी सड़क बनाने की भी मांग की है. रावघाट संघर्ष समिति के गीत ने रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि रावघाट का खदान नारायणपुर और कांकेर बोर्डर में स्थित है. जब खदान का काम शुरू हुआ तब कहा गया था कि काम ट्रेन से होगा. लेकिन बाद में कहा गया कि ट्रेन परिचालन शुरू नहीं हुआ है, जिससे ट्रक से काम किया जा रहा है. ट्रकों के चलने से प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ दुर्घटना में भी इजाफा हुआ है. दंतेवाड़ा-कांकेर के सारे इलाकों की यही स्थिति है. रावघाट समिति और बचाओ अभियान के तहत एक याचिका दायर की गई थी, उसमें महत्वपूर्व ऑर्डर है. रात-दिन बेहताशा चल रही ट्रकों से फैल रहे प्रदूषण पर महत्वपूर्व डायरेक्शन है. एक साल में कांकेर के अंदर में 16 बच्चों की जान गई है. ट्रेन के चलने से प्रदूषण कम होगा.

दक्षिण विधानसभा में बदलाव की हवा चल रही है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी जरिता लेफतलांग, एआईसीसी के सह-सचिव एवं सह-प्रभारी विजय जांगिड़ की उपस्थिति में दक्षिण विधानसभा के चुनाव के संबंध में दो महत्वपूर्ण बैठक लिया। पहली बैठक बूथ कमेटियों के प्रभारियों की तथा दूसरी बैठक दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं की हुई। बैठक को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दक्षिण विधानसभा में बदलाव की हवा चल रही है। यह चुनाव कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिये अवसर है। हम सबको मिलकर इस बार दक्षिण विधानसभा के कांग्रेस को विजयी बनाना है। 20 अक्टूबर को दक्षिण विधानसभा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन है। हमे एक-एक बूथ में पूरी ताकत से भिड़ना है। भाजपा सरकार की 11 माह की नाकामी इस चुनाव में हमारा सबसे बड़ा मुद्दा है। हमे पूरी एक जुटता से चुनाव लड़ना है और जीतना है। बैठक में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री गुरू रूद्र कुमार, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर, महापौर एजाज ढेबर, पारस चोपड़ा, शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मिशन साहसीः बालिकाओं ने सीखा कैसे करें शारीरिक स्वरक्षा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के लैगिंक उत्पीड़न शिकायत समिति, राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मिशन साहसी (मेकिंग ऑफ फियरलेस) के अन्तर्गत स्वरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस रानी दुर्गावती थीम पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की छात्राओं, महिला प्राध्यापकों-कर्मचारियों तथा उनके परिवार की महिलाओं एवं बालिकाओं को शारीरिक स्वरक्षा संबंधी तकनीकों का सजीव प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी अंजली गिरी गोस्वामी एवं सेकंड डेन ब्लैक बेल्ट आरती वर्मा द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि किसी महिला पर आकस्मिक घटना घटती है तो वे किसी भी छोटे से छोटे सामान जैसे हेयर पिन, पेन, स्प्रे आदि का उपयोग कर अपनी रक्षा कैसे कर सकते हैं, इसका सजीव प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक द्वारा बताया गया कि जब कोई जबर्दस्ती हाथ पकडे तो उससे अपना बचाव कैसे करना है, अगर कोई पीछे से पकड़ने की कोशिश करता है तो उस पर वार कैसे करें एवं अन्य बचाव के तरीकों का सजीव प्रदर्शन किया गया।

निर्वाचक नामावली की शुद्धता सुनिश्चित करने ग्राम सभाओं का आयोजन करें

रायपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंहराज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने निर्वाचक नामावली की प्रविष्टियों की शुद्धता सुनिश्चित करने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को ग्राम सभाओं का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिये प्रदेश में ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। पुनरीक्षण कार्य हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायतों में निर्वाचक नामावली निरीक्षण के लिये दिनांक 24/10/2024 से 29/10/2024 तक का समय निर्धारित किया गया है। राजा निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया कि 26 एवं 27 अक्टूबर को प्रत्येक ग्राम पंचायत में सभाओं का आयोजन किया जाकर संबंधित ग्राम पंचायत की निर्वाचक नामावली का पठन किया जावेगा। पठन के दौरान निर्वाचक नामावली के संबंध में जानकारी प्राप्त कर मतदातागण दावा आपत्ति भी प्रस्तुत कर सकेंगे। निर्वाचक नामावली की शुद्धता के लिये प्राप्त दावा आपत्तियों की जांच भी ग्राम सभा में की जा सकेगी।

चाय वाला बना मास्टरमाइंड, ठगे 100 करोड़, पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर. रायपुर पुलिस ने 100 करोड़ रूपए से अधिक की ठगी करने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार किया है. इस गिरोह का मास्टर माइंड चाय बेचता था, लेकिन इसके बाद इसने एक प्लान बनाया और दोस्तों के साथ मिलकर 400 लोगों से अधिक लोगों को शेयर मार्केट में दोगुना मुनाफा का लालच देकर अपने झांसे में लिया. इस ठगी का हिसाब करते रायपुर पुलिस के भी पसीने छुट गए और अब तक 100 करोड़ रूपए की ठगी का खुलासा हुआ है, लेकिन ऐसी आशंका है कि ठगी की ये राशि जांच में और भी बढ़ सकती है.

जानकारी के अनुसार, ठगी के इस गिरोह का भंडाफोड़ तब हुआ, जब मंदिर हसौद थाना में एक व्यक्ति ने 7 लाख की ठगी की शिकायत दर्ज कराई. इस मामले में मंदिर हसौद पुलिस ने पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद पुलिस की जांच में ठग गिरोह का पर्दाफाश हुआ और मास्टरमाइंड भूनेश्वर साहू और उसके साथी मनोहर साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी ने ठगी के रकम से करोड़ों की संपत्ति खरीदी है, जिसे पुलिस की टीम सीज करने की कार्रवाई कर रही है. इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से प्रकरण से संबंधित पासबुक और करोड़ों रूपये का हिसाब-किताब जप्त कर बैंक खातों होल्ड कर दिया है. वहीं ठगी का एक अन्य आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है.

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान- भूनेश्वर साहू, पिता- स्व. गणेश राम साहू, उम्र 38 वर्ष, साकिन, अकोली रोड, अटल विहार कालोनी, आरंग थाना, जिला- रायपुर. मनोहर लाल साहु, पिता- फुलसाय साहु, उम्र 34 वर्ष, साकिन, सुमीत लैंडस्केप म.नं. 107 नरदह थाना, जिला- रायपुर.

ऐसे हुआ मामले का खुलासा- जानकारी के अनुसार, प्रार्थी कुबेर वर्मा ने मंदिर हसौद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह मंदिर हसौद के गांव मुनगी में रहता है. मंदिर हसौद में चाय बेंचने वाले भुवनेश्वर साहू ने उसे बताया कि वह शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करता है और बहुत लाभ कमाता है. भुनेश्वर साहू ने प्रार्थी को भी शेयर ट्रेडिंग में इन्वेस्ट करने से दुगुना लाभ दिलाने का झांसा दिया. इस पर कुबेर वर्मा ने आरोपी चायवाले पर विश्वास कर उसके साथी शत्रुहन वर्मा के बैंक खाते और बते गए अन्य बैंक खातों में अलग-अलग किश्तो में कुल 07 लाख रुपए जमा कर दिए.

अवैध रेत परिवहन कर रहे 7 वाहनों पर खनिज विभाग ने की कार्रवाई, लेकिन यहां अब भी जारी है अवैध खनन

रायपुर। जिले के धमतरी में रेत खदानों से अवैध परिवहन करते हुए 7 हाईवा को माइनिंग विभाग ने जब्त किया है. माइनिंग विभाग ने प्रशासन की संयुक्त टीम के साथ मिलकर रेत का अवैध परिवहन कर रहे 7 हाईवा को जब्त किया. इनमें से 6 हाईवा धमतरी जिले के मोहेरेंगा और परेवाडीह घाट से आ रहे थे, जबकि 1 हाईवा गरियाबंद के तर्रा घाट से पकड़ा गया. हालांकि, गरियाबंद के खदानों में चल रहे अवैध खुदाई के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है, क्योंकि राजधानी के रेत माफिया का एक प्रभावशाली सिंडिकेट यहां सक्रिय है.

सूत्रों की मानें तो कार्रवाई से बचाने प्रभावशाली माफिया के गरियाबंद के तर्रा घाट से आरहे वाहन को हाइवे में आने नहीं दिया गया था, उन्हें सिग्नल मिलते ही आने कहा गया था. जब कलेक्टर दीपक अग्रवाल को इस मामले की जानकारी मिली, तो उन्होंने संयुक्त टीम को उस स्थान पर भेजा. इस कार्रवाई के दौरान राजिम के चौबे बाधा मोड में रेत से भरे 9 हाईवा घंटों तक रुके रहे. इनमें से अधिकांश के पास पिट पास नहीं था और बाकी ओवरलोड थे.

लेकिन हैरानी की बात यह है कि चालकों को पिट पास लाने के लिए वापस खदान भेजा गया और अंततः सभी 9 हाईवा को छोड़ दिया गया.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.